• जयपुर, शुक्रवार 22 मई 26 • वर्ष 15 • अंक 205 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 झालावाड़ सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लिमिटेड में किराने की सप्लाई ....

पेज @4 आधी रात तबादला सूची जारी, भीलवाड़ा एसपी धर्मेन्द्र सिंह का तबादला, दौसा ...

पेज @8 ब्यावर यूथ संगठन ने निःस्वार्थ सेवकों को हेलमेट भेंट कर किया ...

डूंगरपुर ने स्वच्छता आंदोलन को दी नई पहचान

प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाया

चमकता राजस्थान

राजस्थान को बनाएंगे स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल राज्यः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

डूंगरपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का आंदोलन बनाया। उन्होंने यह संदेश भी दिया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समस्त देशवासियों का सामूहिक दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी का सपना था कि भारत स्वच्छ और स्वस्थ बने। प्रधानमंत्री ने इसी सपने को जनभागीदारी के माध्यम से नई ऊर्जा प्रदान की।

मुख्यमंत्री गुरुवार को डूंगरपुर में नागरिक अभिनंदन एवं स्वच्छता संदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांवों में शौचालय निर्माण, शहरों में कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त अभियान और स्वच्छता के प्रति जागरूकता को लेकर देश में नई चेतना दिख रही है। स्वच्छता अब व्यवस्था के साथ ही संस्कार का विषय बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि डूंगरपुर की धरती ने स्वच्छता आंदोलन को एक नई पहचान देने का कार्य किया है। स्वच्छता को जनसहभागिता का उत्सव बनाया। जिसकी वजह से आज सब जगह डूंगरपुर मॉडल की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी प्रदेश को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारा स्पष्ट लक्ष्य है कि राजस्थान विकास के साथ ही स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो।

आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग सिस्टम हो रहे विकसित

» मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ठोस कचरा प्रबंधन को मजबूत किया जा रहा है। शहरों में आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग सिस्टम विकसित किए जा रहे हैं। घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जा रहा है। प्लास्टिक मुक्त राजस्थान के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। नगर निकायों को तकनीक आधारित व्यवस्थाओं से जोड़कर सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन की उपलब्धियां

उन्होंने कहा कि हमने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत करीब 3 लाख व्यक्तिगत शौचालय और 5 हजार से अधिक सामुदायिक शौचालय बनवाए हैं। साथ ही, 41 हजार से अधिक ओडीएफ प्लस मॉडल विलेज और 21 जिलों में गोबरधन-परियोजना के तहत बायो-गैस संयंत्रों की स्थापना की गई है। वहीं, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत 168 नगरीय निकायों में ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की स्थापना के लिए 454 करोड़ रुपये के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 348 पिंक टॉयलेट का निर्माण हो चुका है और तथा 356 पिंक टॉयलेट के निर्माण के लिए कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं। 10 नगरीय निकायों को 28 मैकेनिकल रोड स्वीपर मशीन उपलब्ध करवाई जा चुकी हैं।

सेवा पखवाड़ा के दौरान 5 हजार 845 चिकित्सा संस्थानों पर स्वच्छता शिविरों का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता को स्वास्थ्य और पर्यटन से भी जोड़कर देख रही है। स्वच्छ शहर निवेश को आकर्षित करते हैं, पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि डूंगरपुर और बांसवाड़ा को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने स्वच्छ राजस्थान पोस्टर का विमोचन भी किया।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबू लाल खराड़ी, सांसद मन्नालाल रावत, विधायक शंकरलाल डेचा, राजस्थान के स्वच्छता एम्बेसडर के. के. गुप्ता, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ाए तो उसे कोर्ट में न पेश कर बीएसएफ पोस्ट पर भेजें : शुभेंदु

● **प्रशासनिक बैठक से मुख्यमंत्री ने दिया निर्देश**

हावड़ा। अगर कोई बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ा जाता है तो उसे कोर्ट में पेश करने की ज़रूरत नहीं है। उसे बॉर्डर पर भेजा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को पुलिस और आरपीएफ को निर्देश दिया। उन्होंने बुधवार को नबन्ना से इस बारे में आदेश दिया था। इस बार, उन्होंने हावड़ा में एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग के बाद फिर से यह साफ किया। हावड़ा पश्चिम बंगाल और देश के सबसे बिजी रेलवे स्टेशनों में से एक है। हावड़ा स्टेशन से हर दिन कई यात्री सफ़र करते हैं। ऐसे में, मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने शब्दों में यह भी साफ कर दिया कि घुसपैठियों को पकड़ने के लिए हावड़ा स्टेशन परिसर में कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पुलिस कमिश्नर और आरपीएफ को बताया गया है कि अगर कोई बांग्लादेशी अवैध घुसपैठिया जो सीएए (नागरिकता संशोधन अधिनियम) के तहत नहीं आता है, उसे हावड़ा स्टेशन पर पकड़ा जाता है, तो उसे कोर्ट नहीं भेजा जाएगा। उसे अच्छा

खाना खिलाया जाएगा और सीधे बनगांव पेट्रापोल बॉर्डर ले जाया जाएगा, नहीं तो उसे बशीरहाट में बीओपी (बॉर्डर पोस्ट) ले जाने का इंतजाम किया जाएगा। मुख्यमंत्री यह भी रिकॉर्ड रखना चाहते हैं कि हर हफ्ते ऐसे कितने घुसपैठिए पकड़े जाते हैं। गिरफ्तारियों की संख्या हर हफ़्ते डीजीपी के ज़रिए मुख्यमंत्री ऑफ़िस भेजी जाएगी। यह बात शुभेंदु ने हावड़ा में एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग के बाद कही। गौरतलब है कि सीएए के तहत बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भारत आए छह समुदायों को शरणार्थी का दर्जा दिया गया है। पिछले साल होम मिनिस्ट्री के जारी एक नोटिफिकेशन के मुताबिक, जो हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के लोग बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न या धार्मिक उत्पीड़न के डर से 31 दिसंबर, 2024 तक भारत आए हैं, उन्हें रिफ्यूजी का स्टेटस दिया जाएगा। भारत सरकार उन्हें डिपोर्ट नहीं करेगी। यह नोटिफिकेशन इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट के सेक्शन 33 के तहत जारी किया गया था, जो 4 अप्रैल, 2025 से लागू हुआ था।

बुधवार दोपहर नबन्ना से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए शुभेंदु ने कहा कि जो लोग सीएए में शामिल नहीं हैं, उन्हें पकड़कर बीएसएफ को सौंप दिया जाना चाहिए। केंद्र ने पिछले साल इस बारे में राज्य सरकार को एक निर्देश भेजा था। लेकिन पिछली सरकार ने इसे लागू नहीं किया, ऐसा मुख्यमंत्री शुभेंदु ने आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले साल केंद्र का भेजा गया निर्देश बुधवार से पश्चिम बंगाल में लागू होगा। गौरतलब है कि भाजपा इस चुनाव से पहले कैंपेन के समय से ही कह रही है कि वे घुसपैठियों को राज्य से बाहर निकालेंगे। शुभेंदु के नेतृत्व वाली नई सरकार ने भारी जन समर्थन के साथ सत्ता में आने पर किए गए वादे के अनुसार कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

दुर्गापुर में मुख्यमंत्री ने की पहली प्रशासनिक बैठक

ममता पर निशाना साध शुभेंदु ने कहा, उद्योग के लिए शिल्पांचल आये उद्यमी

दुर्गापुर। पिछली सरकार के समय भी जिलों में एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग होती थीं। उस समय एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग पर करोड़ों रुपये खर्च होते थे। लेकिन, इस बार एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग के नाम पर बेहिसाब खर्च नहीं हो रहा है। मौजूदा राज्य सरकार का लक्ष्य सिर्फ विकास है। दुर्गापुर में एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बाढ़ की स्थिति को मैनेज करके इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट का मैसेज दिया। लगभग हर साल, दुर्गापुर, आसनसोल, हावड़ा और हुगली के कई जिले दामोदर के पानी से भर जाते हैं। इसे लेकर राज्य सरकार और डीवीसी के बीच टकराव भी कोई नई बात नहीं है। एक समय तो टकराव इतना बढ़ गया था कि बंगाल ने डीवीसी से अपना प्रतिनिधि वापस ले लिया था।

हालांकि, सरकार बदलने के बाद, बारिश के मौसम में बाढ़ की स्थिति को मैनेज करने का लक्ष्य है। इसीलिए बाढ़ की संभावना वाले जिलों को मिलाकर कुल 5 डॉन बनाए गए हैं। वे हैं : लोअर दामोदर, घाटाल, कांदी, नॉर्थ बंगाल और मालदा। शुभेंदु के शब्दों में, सभी समस्याओं को कम समय में हल करना संभव नहीं है। हालांकि, समस्याओं को हल करने की कोशिश की जा रही है।

संपादकीय

अडाणी को क्लीनचिट के मायने!

भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी को अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उन पर लगे आर्थिक घोटालों के आरोपों के बाद हुई 'वित्तीय डील' के पश्चात मिली क्लीन चिट को लेकर नई बहस छिड़ गई है। बताया जाता है कि गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी ने अमेरिका में चल रहे मुकदमे को निपटाने के लिए संयुक्त रूप से 1.80 करोड़ डॉलर का जुर्माना देने पर सहमति दी थी। इसके बाद अमेरिकी न्याय विभाग ने सारे अडाणियों पर लगे सारे आपराधिक आरोप वापस ले लिए हैं। साथ ही न्यूयॉर्क में चल रहा हाई-प्रोफ़ाइल सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड मामला पूरी तरह बंद हो गया है। गौरतलब है कि अमेरिका के सिक्योरिटीज रेगुलेटर (नियामक) ने 2024 को दायर मुकदमे में अडाणी परिवार पर निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने का आरोप लगाया था। इसके मुताबिक अडाणी परिवार ने इस तरीके से अमेरिकी निवेशकों से लगभग 17.5 करोड़ डॉलर समेत 75 करोड़ डॉलर की रकम जुटाई थी। हालांकि अदानी समूह ने इन आरोपों को 'बेबुनियाद' करार दिया। उधर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने एक बयान में पुष्टि की कि ऑफ़िस ऑफ़ फ़ॉरेन एसेट्स कंट्रोल (ओएफ़एसी) ने अडाणी एंटरप्राइज़ेज़ लि. (एईएल) के साथ 27 करोड़ 50 लाख डॉलर के समझौते की घोषणा की है। इस समझौते पर 14 मई 2026 को हस्ताक्षर हुए थे। एईएल ने, ओएफ़एसी के ईरान प्रतिबंधों के 32 संभावित सिविल उल्लंघनों को लेकर अपनी ज़िम्मेदारी के निपटारे पर सहमति जताई। अदालत में दायर दस्तावेज में अमेरिकी न्याय विभाग ने अदानी परिवार पर आरोपपत्र को स्थायी रूप से ख़ारिज़ करने की मांग की है। यह मामला दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। यह फैसला उस मामले में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिसने अदानी समूह की वैश्विक विस्तार योजनाओं पर असर डालने की आशंका पैदा कर दी थी। इस फैसले के बाद अडाणी समूह का मार्केट कैप एकदम 7 लाख करोड़ रू. बढ़ गया। जहां तक भारत की बात है तो अडाणी को गुजराती होने के कारण प्रधानमंत्री नरेंन्द्र मोदी का करीबी माना जाता है। यही कारण है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अडाणी पर लगातार हमले करते रहे हैं। लेकिन अब अडाणी को क्लीनचिट मिलने के बाद उनका यह अस्त्र भी बेकार हो गया लगता है, जैसे कि राफेल डील मामले में लगाए आरोपों के कारण हुआ था। आश्चर्य नहीं कि इस फैसले के बाद अडाणी राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दें। हालांकि जो डील हुई है, उसमें खुद अडाणी ने उन पर लगे आरोपों को खारिज नहीं किया है। वैसे इस डील के बाद राहुल गांधी ने इस मामले में पीएम मोदी को लपेटा है कि उन्हीं के चलते अडाणी की यह डील संभव हुई है। इसका अर्थ यही है कि राहुल को अमेरिकी न्याय व्यवस्था का पूरा ज्ञान नहीं है। क्योंकि सिर्फ मोदी के कहने अथवा दबाव डालने पर ऐसी कोई डील संभव होती तो भारत के बहुत से मसले ऐसे हैं, जिनमें अमेरिका को समझौता कर लेना चाहिए। अर्थात् अडाणी कोई दूध के धुले नहीं हैं, लेकिन राहुल गांधी को ऐसे गंभीर आरोप लगाने से पहले पूरी तैयारी करनी चाहिए। वरना ज्यादातर मामलों में उन्हें कोर्ट में माफी ही मांगनी पड़ी है। इससे उनकी सुधरती राजनीतिक छवि को झटका लगता है। भले ही वो खुद इससे बेफिकर दिखने का संदेश देने की कोशिश करें। इसमें संदेह नहीं कि अडाणी को निशाना बनाने के पीछे राहुल के वामपंथी सलाहकार ज्यादा थे। जबकि राहुल यह काम किसी छोटे नेता से भी करा सकते थे। खुद उनकी पार्टी में अडाणी को टारगेट करने को लेकर एक राय नहीं थी। अलबत्ता अडाणी केस इस बात का प्रमाण है कि अगर आपके पास है तो आप सब कुछ कर सकते हैं।

वेनेज़ुएला के बाद क्या क्यूबा की बारी है

अमेरिका की आँखों में मिर्ची सा लगता है हवाना के सिगार का धुआँ''(लंबी कविता 'बीसवीं सदी इक्कीसवीं सदी से')

यह आज की बात नहीं है, बल्कि बीती कई दहाइयों से अमेरिका के लिये बुकनी सा कष्टप्रद यह सिलसिला जारी है। दरअसल यह तकलीफदेह क्रम सन् 1959 में फिदेल कास्त्रो के कू-दे-ता के जरिये सत्ता में आने के ऐन दिन से शुरू हो गया था। फिदेल को अपदस्थ करने अथवा मारने की सीआईए की सारी कोशिशें विफल रहीं। अमेरिका उनकी मुश्कें नहीं कस सका। उलटे फिदेल वैश्विक नेता के तौर पर उभरते गये और उन्होंने दुनिया भर के मुक्तिकामी जनों को आकर्षित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत और क्यूबा के संबंधों को नयी ऊंचाई और सान्द्रता मिली। शीतयुद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद क्यूबा को मुसीबतों से दो-चार होना पड़ा। रही सही कसर अमेरिका की आर्थिक पाबंदियों ने पूरी कर दी।

डॉ. सुधीर सक्सेना

जारी वर्ष के प्रारंभ में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण से अनेक छोटे और निर्बल राष्ट्र सकते में आ गये। यूं तो 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के अभीष्ट की पूर्ति के लिये ही अमेरिका ने इस्त्रायल के सहयोग से 28 फरवरी को ईरान पर धावा बोला था और उसे अली खामेनेई समेत अनेक बड़े ईरानी नेताओं को मारने में कामयाबी भी मिली, अलबत्ता उसकी मंशा पूरी नहीं हुई। अब यह सवाल सारी दुनिया में खतरे की घंटी की मानिंद घनघना रहा है कि क्या वेनेजुएला और ईरान के बाद अब बारी क्यूबा की है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशना कठिन इसलिये नहीं है क्योंकि जिद्दी और अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप अपनी खब्त में कुछ भी कर सकते हैं। दूसरे सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के 14 मई को हवाना की यात्रा और खुलेआम अंतिमेत्थम ने अमेरिका-क्यूबा के कसैले संबंधों मंह इजाफा कर एक करोड़ से कुछ अधिक क्यूबावासियों की रगों में सिहरन पैदा कर दी है।

आज नहीं, अर्से से क्यूबा के नसीब में चैन नहीं है और अमेरिकी धौंस, दबंगई और दादागिरी से उसकी मुसीबतों की गठरी भारी होती जा रही है। राजधानी हवाना समेत पूरा क्यूबा अंधेरे में डूबा हुआ है। क्यूबा अभूतपूर्व ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। डीजल और पेट्रोल का भंडार खत्म हो गया है। उसका अपना तेलशोधक संयंत्र फरवरी में आग की भेंट चढ़ गया। तेल की आपूर्ति के लिये उसका मुख्य आलंबन वेनेजुएला था, मगर अब वेनेजुएला अमेरिका का बंधक राष्ट्र है। ऊर्जा संकट का असर, शिक्षा, आहार, चिकित्सा आदि की प्रणालियों पर भी पड़ रहा है। हालत यह है कि राजधानी हवाना में नागरिकों को बाईस-बाईस घंटे ब्लैक आउट का सामना करना पड़ रहा है स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प हैं और लोगों को खाना पकाने के लाले पड़ गये हैं। फलतः असंतोष गहरा रहा है और मुसीबतज़दा लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। क्यूबा के इतिहास पर दृष्टिपात करें तो बीते करीब पांच शतियों में उसके संघर्ष की तस्वीर उभरती है। 20 अक्टूबर, सन् 1492 को कोलंबस की खोज के बाद यह कैरेबियन-द्वीप समूह स्पेन का उपनिवेश रहा। सन् 1868 में इसने स्वतंत्रता की घोषणा की और सन् 1895 में आजादी की लड़ाई छेड़ी। सन् 1898 में उसे मान्यता तो मिली, लेकिन वह अमेरिका के चंगुल में फँस गया। इसका अंत अंततः मई, 1902 में हुआ, जब वह गणतंत्र बना। लेकिन यह सौभाग्य भी अधिक दिन टिका नहीं। सन् 1933 में कूदेता से बातिस्ता सत्ता में आये और करीब पाव सदी क्यूबा ने उनकी तानाशाही झेली। इससे उसे आखिरकार सन् 1959 में फिदेल कास्त्रो ने मुक्ति दिलाई। फिदेल अपनी पॉलिसी से अमेरिका की आँखों की सबसे करीं किरकिरी बनकर उभरे। अमेरिका ने उन्हें हटाने और निपटाने के लाख जतन किये, लेकिन उसकी दाल नहीं गली। फिदेल दशक-दर-दशक उसकी छाती पर मूंग दलते रहे। उन्होंने महाबली अमेरिका की नाक तले कम्युनिस्ट रिजीम खड़ी कर दी। सन् 1962 का मिसाइल प्रसंग दुनिया भूली नहीं है। यह शीत युद्ध का चरम प्रसंग था। बहरहाल, कास्त्रो ने शिक्षा, चिकित्सा और आवास पर खूब ध्यान दिया। मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सस्ते मकानों से उन्होंने क्यूबा का हुलिया बदल दिया। उन्होंने अफ्रीकी देशों व अन्यत्र डॉक्टरों की टोलियां भेजीं और दुनिया में अमेरिकी शिकंजे को तोड़ने का भरसक प्रयास किया। फलतः विश्व में मुक्ति कामी का जनता का यह लाड़ला नायक अमेरिका के लिये 'मोस्ट वांटेड' और खलनायक हो गया। उसके कृत्यों में सोवियत संघ उसका सरपरस्त और सहयोगी रहा। आज भी रूस और चीन उसके सहयोगी राष्ट्र हैं। रूस ने इसी साल 30 मार्च को एक लाख टन कच्चा तेल भेजा और चीन ने 80 मिलियन डॉलर की मदद और 60 हजार टन चावल देने का ऐलान किया। इसी क्रम में कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने आठ मिलियन और फिर साढ़े पांच मिलियन डॉलर की मदद की घोषणा की।

क्यूबा के खिलाफ वाशिंगटन के दबाव के चलते लातिनी अमेरिकी देशों में क्यूबा से कन्नी काटने का दायरा बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको की क्लाडिया शीनबाम क्यूबा समर्थक हैं, लेकिन फरवरी में तेल से लदे दो पोत भेजन के पश्चात उन्होंने ट्रंप की नाराजगी के भय से क्यूबा को मदद से हाथ खींच लिये हैं। अर्जेंटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई अमेरिका के समर्थन में हैं, तो ब्राजील के लूला डिसिल्वा असमंजस में। चीले के गैब्रियल बोरिस ने क्यूबा पर पाबंदी को आपराधिक करार दिया था, लेकिन नये राष्ट्राध्यक्ष जोस अंतोनिया ने दो टूक कह दिया है कि क्यूबा को मदद से वहां तानाशाही के पाये मजबूत होंगे। अमेरिकी दबाव का असर अन्यत्र भी हो रहा है। निकारागुआ ने क्यूबनों के लिए वीजा फ्री एंट्री बंद कर दी है, तो ग्वाटेमाला ने क्यूबा की मेडिकल ब्रिगेडों की चरणबद्ध वापसी का कदम उठाया है। इसी क्रम में इक्बेडोर ने क्यूबा के राजदूत वसीलो गुटीरेज को देश निकाला दे दिया है। ट्रिनिडाड-टोबैगो की कमला प्रसाद बिसेसर ने मानवीय सहायता की बात करते हुये पुछल्ला जोड़ दिया है कि वह तानाशाही का समर्थन नहीं कर सकतीं। योरोपीय राष्ट्र पुर्तगाल ने तो दो कदम आगे बढ़कर क्यूबा में टूरिस्ट-ऑपरेशंस बंद कर दिये हैं।

किस्सा कोताह यह है कि क्यूबा की मुसीबतों का अंत नहीं है। कास्त्रो-काल के वैश्विक समीकरण बदल चुके हैं। अमेरिका और क्यूबा के दरम्यां अतीत त्रिभंगी मुद्रा में खड़ा है। अमेरिका निकारागुआ और बोलीविया में विद्रोह को समर्थन और कांगो, इथियोपिया, अंगोला, मोजंबीक, गीनिया बिसाऊ, यमन, अल्जीरिया, इराक और सीरिया के मामलों में क्यूबा के दखल को भूला नहीं है। उसे सन् 1959 का पनामा-प्रसंग भी याद है, जब क्यूबा ने तख्ता पलट के प्रयासों में मुंह की खाई थी। दिलचस्प बात है कि क्यूबा ने तख्ता पलट में मुंह की खाने के बाद भी अमेरिका को मुंह बिराना नहीं छोड़ा।

ये ही वे प्रसंग हैं, जिन्होंने आज नव उपनिवेशवादी अमेरिका की भृकुटि में बल डाल रखे हैं। व्हाइट हाउस आज हवाना से पुराना हिसाब चुकता करने के मूड में है। वह गड़े मुर्दे उखाड़ते हुये सन् 1996 के चार विमानों के शूट आउट प्रसंग में तत्कालीन रक्षा मंत्री रऊल कास्त्रो पर अभियोजन के पक्ष में है। रऊल अब 94 वर्ष के हो चुके हैं, लेकिन अमेरिका उनके खिलाफ मुकदमे पर अड़ा हुआ है। क्यूबा भी अमेरिका की मंशा को भाँप रहा है, लिहाजा उसने अपना लहजा नरम कर दिया है। राष्ट्रपति मिगुएल डाएज कैनेल अमेरिकी कार्रवाई को समाज को व्यथित और बंधक बनाने तथा तख्तापलट की कोशिश मानते हुए 'जीनोसाइड' करार देते हैं, लेकिन अब वह निःशर्त बातचीत के लिए तत्पर दीखते हैं। इसी मार्च में उन्होंने 51 राजनीतिक कैदियों की रिहाई भी की है। उधर रैटक्लिफ ने आर्थिक व सुरक्षा के मुद्दों पर ट्रंप की नीति से हवाना को अवगत कर दिया है। क्यूबन-अमेरिकी मूल के मार्को रूबियो ने कहा है कि क्यूबा ने 100 मिलियन डॉलर की अमेरिका की मानवीय सहायता ठुकरा दी है, तो क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिगज परीला ने कहा कि अमेरिका ने ऐसी किसी मदद की पेशकश ही नहीं की।

अध्यात्म

ऐसे ही होने चाहिए गुरु

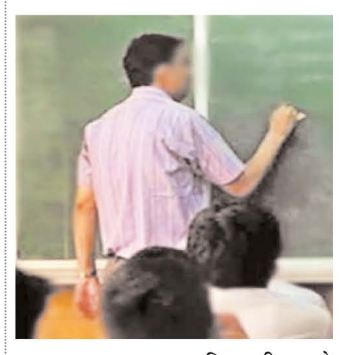

एक बार एक व्यक्ति की उसके बचपन के टीचर से मुलाकात होती है। वह उनके चरण स्पर्श कर अपना परिचय देता है। वे बड़े प्यार से पुछती है, अरे वाह, आप मेरे विद्यार्थी रहे है, अभी क्या करते हो, क्या बन गए हो?

मैं भी एक टीचर बन गया हूँ वह व्यक्ति बोला, और इसकी प्रेरणा मुझे आपसे ही मिली थी जब में 7 वर्ष का था। उस टीचर को बड़ा आश्चर्य हुआ, और वे बोली कि, मुझे तो आपकी शक्ल भी याद नही आ रही है, उस उम्र में मुझसे कैसी प्रेरणा मिली थी? वो व्यक्ति कहने लगा कि, यदि आपको याद हो, जब में चौथी क्लास में पढ़ता था, तब एक दिन सुबह सुबह मेरे सहपाठी ने उस दिन उसकी महंगी घड़ी चोरी होने की आपसे शिकायत की थी।

आपने क्लास का दरवाजा बन्द करवाया और सभी बच्चो को क्लास में पीछे एक साथ लाइन में खड़ा होने को कहा था। फिर आपने सभी बच्चों की जेबें टटोली थी। मेरे जेब से आपको घड़ी मिल गई थी जो मैंने चुराई थी। पर चूंकि आपने सभी बच्चों को अपनी आंखें बंद रखने को कहा था, तो किसी को पता नहीं चला कि घड़ी मैंने चुराई थी।

टीचर उस दिन आपने मुझे लज्जा व शर्म से बचा लिया था। और इस घटना के बाद कभी भी आपने अपने व्यवहार से मुझे यह नही लगने दिया कि मैंने एक गलत कार्य किया था। आपने बिना कुछ कहे मुझे क्षमा भी कर दिया और दूसरे बच्चे मुझे चोर कहते इससे भी बचा लिया था।ये सुनकर टीचर बोली, मुझे भी नही पता था बेटा कि वो घड़ी किसने चुराई थी। वो व्यक्ति बोला, नहीं टीचर, ये कैसे संभव है? आपने स्वयं अपने हाथों से चोरी की गई घड़ी मेरे जेब से निकाली थी।

टीचर बोलीः बेटा मैं जब सबके पॉकेट चेक कर रही थी, उस समय मैने कहा था कि सब अपनी आंखे बंद रखेंगे, और वही मैंने भी किया, मैंने स्वयं भी अपनी आंखें बंद रखी थी। ऐसे ही होने चाहिए गुरु, ऐसे ही होने चाहिए घर के बुजुर्ग, गांव के मुखिया। जो सबको बैलेंस करें, कमियों को दूर करें, खूबियों को निखारें।

क्या राष्ट्रहित से ऊपर है राजनीति?

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में अपनी पहचान बना रहा है, तब देश को मजबूत सामरिक ढांचा, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक व्यापारिक क्षमता की भी आवश्यकता है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को अपने समुद्री हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करना समय की मांग है। ऐसे समय में ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के सामरिक, आर्थिक और वैश्विक भविष्य की आधारशिला है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस इस परियोजना का लगातार विरोध कर रही है। वस्तुतः कभी पर्यावरण के नाम पर, कभी आदिवासी हितों के नाम पर और अब राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर प्रश्न उठाकर कांग्रेस एक ऐसे प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रही है, जोकि भविष्य में भारत को समुद्री शक्ति, व्यापारिक आत्मनिर्भरता और सामरिक मजबूती प्रदान करने का कारण बनेगा।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

सवाल यह है कि क्या वास्तव में कांग्रेस को पर्यावरण और जनजातीय समाज की इतनी चिंता है या फिर यह मोदी सरकार का विरोध करने की योजनाबद्ध मानसिकता है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अब हाल ही में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर ग्रेट निकोबार परियोजना के मौजूदा स्वरूप पर पुनर्विचार की मांग की है। उनका तर्क है कि ट्रांसशिपमेंट पोर्ट और टाउनशिप जैसी योजनाएं सैन्य क्षमता नहीं बढ़ातीं और पर्यावरण तथा आदिवासी समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। ऐसे में यहां स्वाभाविक प्रश्न उभरता है कि यदि कांग्रेस को विकास परियोजनाओं से इतना ही परहेज है, तब अपने दशकों लंबे शासनकाल में उसने देशभर में हजारों बड़े बांध, बंदरगाह, औद्योगिक कॉरिडोर, राजमार्ग और शहरी परियोजनाएं क्यों शुरू कीं? क्या तब पर्यावरण और जनजातीय हित याद नहीं आए? क्या उस समय पर्यावरण का नुकसान नहीं हो रहा था? असल सच्चाई यह है कि कांग्रेस का यह विरोध सिद्धांत आधारित न होकर सिर्फ राजनीति से प्रेरित है। यदि यही परियोजना कांग्रेस सरकार लेकर आती, तो वही नेता इसे 'भारत के भविष्य का द्वार' बताते। वस्तुतः यह सभी समझें कि ग्रेट निकोबार द्वीप की स्थिति हिंद महासागर क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पूर्व-पश्चिम अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग से मात्र लगभग 40 नॉटिकल मील की दूरी पर स्थित है। दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापारिक मार्गों में से एक के इतना निकट होना भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से अमूल्य अवसर है। आज भारत का बड़ा हिस्सा विदेशी ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों, जैसे कोलंबो, सिंगापुर और क्लांग पर निर्भर है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत का व्यापारिक और सामरिक हित दूसरे देशों की बंदरगाह नीतियों पर निर्भर रहता है। ग्रेट निकोबार परियोजना इस निर्भरता को समाप्त करने की दिशा में निर्णायक कदम है। हमें समझना होगा कि 14.2 मिलियन टीईयू क्षमता वाला इंटरनेशनल कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल भारत को समुद्री व्यापार में आत्मनिर्भर बनाएगा। यह आर्थिक परियोजना होने के साथ चीन की बढ़ती समुद्री आक्रामकता के सामने भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करने वाला कदम है।

क्या कांग्रेस को दिखाई नहीं देता कि भारत के पड़ौसी देश अपनी सामरिक शक्ति एवं अन्य शक्तियां बढ़ाने के लिए क्या कर रहे हैं? जब चीन हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार अपने बंदरगाह नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, तब भारत यदि अपनी सामरिक क्षमता बढ़ाता है, तो कांग्रेस को इसमें समस्या क्यों दिखाई देती है? कांग्रेस का कहना है कि केवल आईएनएस बाज या अन्य सैन्य परिसंपत्तियों के विस्तार से काम चल सकता है। लेकिन क्या भारत जैसे विशाल और उभरते हुए राष्ट्र को केवल 'काम चलाने' वाली मानसिकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए? उम्मीद से अधिक नहीं, किंतु यह तो कांग्रेस समझ ही सकती है? कि 150 करोड़ की जनसंख्या वाले भारत को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है। यदि भारत को वैश्विक व्यापार, नौसैनिक शक्ति और समुद्री रणनीति में अग्रणी बनना है, तो उसे विश्वस्तरीय बंदरगाह, एयरपोर्ट और आधुनिक शहरी ढांचे की आवश्यकता होगी। कांग्रेस शायद यह भूल रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सैन्य अड्डों के साथ ही मजबूत आर्थिक और लॉजिस्टिक क्षमता से भी सुनिश्चित होती है। ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट और टाउनशिप, ये सभी मिलकर भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थायी रणनीतिक बढ़त दिलाएंगे। कांग्रेस लगातार यह प्रचारित करने की कोशिश कर रही है कि इस परियोजना से बड़े स्तर पर पर्यावरण को नुकसान होगा, किंतु वास्तविकता इससे भिन्न है।यह परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 और आईसीआरजेड अधिसूचना 2019 के तहत सभी आवश्यक पर्यावरणीय मंजूरियां प्राप्त कर चुकी है। इसके लिए विस्तृत पर्यावरण प्रभाव आकलन किया गया है, जिसमें भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय विज्ञान संस्थान, वन्यजीव संस्थान और सैकॉन जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने अध्ययन किया है। परियोजना के अंतर्गत 42 अनिवार्य पर्यावरणीय शर्तें लागू की गई हैं। द्वीप के केवल 1.82 प्रतिशत वन क्षेत्र का उपयोग किया जाएगा और इसके बदले 97.30 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वनीकरण किया जाएगा। इतना ही नहीं, 65.99 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ग्रीन जोन के रूप में संरक्षित रखा जाएगा, जहां एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा। क्या कांग्रेस यह बताना चाहेगी कि उसके शासनकाल में बनी परियोजनाओं में इतने व्यापक पर्यावरणीय सुरक्षा प्रावधान कितनी बार देखने को मिले थे? कांग्रेस यह आरोप लगा रही है कि परियोजना से शोंपेन और निकोबारी समुदाय प्रभावित होंगे, किंतु सही तथ्य यह है कि परियोजना में किसी भी जनजातीय समुदाय के विस्थापन का प्रस्ताव नहीं है। परियोजना के अंतर्गत जनजातीय आरक्षित क्षेत्र में शुद्ध वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है। 73.07 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को डी-नोटिफाई करने के बदले 76.98 वर्ग किलोमीटर नई भूमि को पुनः जनजातीय आरक्षित क्षेत्र घोषित किया जा रहा है। यानी कुल आरक्षित क्षेत्र में वृद्धि होगी।

इसके अतिरिक्त, जनजातीय हितों की निगरानी के लिए स्वतंत्र समितियां गठित की गई हैं और जनजातीय कार्य मंत्रालय, एएजेवीएस तथा भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण जैसे संस्थानों से विस्तृत परामर्श किया गया है। यदि वास्तव में सरकार आदिवासी विरोधी होती, तब क्या इतनी संवेदनशील और निगरानी आधारित व्यवस्था तैयार की जाती? आज विश्व तेजी से बदल रहा है। समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और सामरिक समुद्री मार्ग आने वाले दशकों की शक्ति का निर्धारण करेंगे। भारत यदि इस दिशा में निर्णायक कदम उठा रहा है तो उसका स्वागत होना चाहिए, न कि राजनीतिक विरोध। मोदी सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है कि भारत को आत्मनिर्भर, सामरिक रूप से मजबूत और आर्थिक रूप से शक्तिशाली बनाना है। कहना होगा कि ग्रेट निकोबार परियोजना उसी दृष्टि का हिस्सा है।

वस्तुतः आज ग्रेट निकोबार परियोजना यह सिद्ध करती है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक मूल्यांकन और चरणबद्ध विकास के माध्यम से दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। गैस और सौर ऊर्जा आधारित हाइब्रिड पावर प्लांट, पर्यावरण प्रबंधन योजना, आपदा प्रबंधन ढांचा और जैव विविधता संरक्षण उपाय यह दर्शाते हैं कि सरकार दीर्घकालिक सतत विकास की सोच के साथ आगे बढ़ रही है। ऐसे में कहना यही होगा कि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत के भविष्य की परियोजना है। यह सिर्फ एक बंदरगाह या एयरपोर्ट का निर्माण नहीं, हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। कांग्रेस यदि वास्तव में राष्ट्रहित की राजनीति करना चाहती है, तो उसे हर राष्ट्रीय परियोजना का अंधा विरोध बंद कर देना चाहिए। ध्यान रहे- आलोचना होनी चाहिए, सुझाव भी दिए जाने चाहिए, पर विकास को रोकने और देश को कमजोर करने वाली मानसिकता किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं हो सकती। भारत अब 20वीं सदी की सोच से आगे निकल चुका है। यह नया भारत है, जो पर्यावरण का संरक्षण भी करना जानता है, आदिवासी हितों का सम्मान भी करता है और साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता भी देता है। अब स्वभाविक है कि ग्रेट निकोबार परियोजना इसी नए भारत की महत्वाकांक्षा, क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जिसे हर हाल में पूरा होना ही चाहिए, इसी में हम सभी भारतीयों का हित निहित है।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

आपको किसी पर भी अधिक निर्भर रहना ठीक नहीं है। घर का माहौल अच्छा रहेगा। हालाँकि फिर भी कड़वी भाषा का प्रयोग करना उचित नहीं है।

वृषभ

आप जो भी काम हाथ में लेंगे उसे पूरा करके ही दम लेंगे। व्यापार में अत्यधिक व्यस्तता रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की प्रशंसा होगी।

मिथुन

आर्थिक मामलों को लेकर आप थोड़े परेशान रहेंगे। अपना मन सदैव शान्त रखें। घरेलू खर्च को लेकर आपका बजट गड़बड़ा सकता है।

कर्क

आज दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से होगी। व्यवसाय में आपको अपेक्षा से अधिक धन लाभ होगा। प्रेम सम्बन्धों को पर्याप्त समय देंगे।

सिंह

मन में सन्तुष्टि का भाव रहेगा। कारोबार में बड़ा ऑर्डर आपको मिल सकता है। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों का मन काम में नहीं लगेगा।

कन्या

धर्म-कर्म के प्रति नीरसता की भावना महसूस होगी। पिता के किसी निर्णय से आप नाराज हो सकते हैं। अनर्गल कार्यों में अधिक ध्यान न लगायें।

तुला

आपको धन की कमी महसूस होगी। लोगों से अधिक सलाह न लें, अन्यथा अनावश्यक भ्रमित हो जायेंगे। महिलाओं को अपना व्यवहार संयमित रखना चाहिये।

वृश्चिक

नयी तकनीक के प्रति जिज्ञासु रहेंगे। परिश्रम का बेहतरीन परिणाम प्राप्त होगा। आपके रुके हुये कार्य गतिशील होने की सम्भावना है।

धनु

आपकी सलाह से लोगों को अत्यधिक लाभ मिलेगा। अचल सम्पत्ति की खरीदी का विचार मन में आयेगा। घर का वातावरण सुखद रहेगा। पुराना कर्ज वापस लौटाने की कोशिश कर सकते हैं।

मकर

कार्यक्षेत्र में आपको सुधार करने पड़ेगा। आपकी दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। दोपहर के बाद का समय आपके लिये अत्यन्त सुखद रहने वाला है। लम्बी दूरी की यात्रा आप कर सकते हैं।

कुंभ

अपनी कमियों को लेकर थोड़े कुण्ठित हो सकते हैं। अहंकारी व्यवहार के कारण स्वजन आपसे नाराज हो सकते हैं। अधिकारी वर्ग से अपना व्यवहार अच्छा रखें।

मीन

मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। प्रियजनों के साथ आप काफी अच्छा समय बितायेंगे। मीडिया समूह से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को समाप्त करने के लिए कहा था, राहुल गांधी उसी दिशा में कर रहे है कार्यः मदन राठौड़

देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के लिए राहुल गांधी के घटिया शब्द पर फूटा आमजन का आक्रोश, राहुल गांधी का पुतला दहन कियाः मदन राठौड़

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आमजन में भारी आक्रोश पनप गया। गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगाए और कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए भाजपा कार्यालय से लेकर चौमूं हाउस सर्किल तक जूलूस निकाला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने चौमूं हाउस सर्किल पर राहुल गांधी का पुतला जलाया। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि महात्मा गांधी ने आजादी के बाद कांग्रेस को समाप्त करने की बात कही थी, परन्तु तत्कालीन नेताओं ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण उसे जीवित रखा। लेकिन आज राहुल गांधी अपने बायानों और कार्यशैली से कांग्रेस को समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। राहुल गांधी के स्टेटमेंट कांग्रेस की कब्र खोदने का काम कर रहे है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस अब धीरे धीरे लुप्तप्राय स्थिति में पहुंच चुकी है। देश के प्रधानमंत्री के लिए इस प्रकार की भाषा का उपयोग करना न केवल अशोभनीय है, बल्कि राष्ट्र के सम्मान के खिलाफ भी है। प्रधानमंत्री केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी को भारत की विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा दिखाई नहीं देती, लेकिन उनका ध्यान केवल टॉफी और चॉकलेट जैसे विषयों पर केंद्रित है। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है, जबकि विपक्ष केवल अनर्गल, घटिया और हल्के स्तर की बयानबाजी पर उतर आया। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न देशों में जाकर भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं, उस समय विपक्ष के नेता बचकाने बयान दे रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी के बयानों से राष्ट्रभक्त नागरिकों में भारी नाराजगी है। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी का पुतला फूंका जाना इसी जनभावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा जल्द ही कांग्रेसी नेताओं के अपशब्दों पर जनजागरण अभियान चलाकर ऐसे नेताओं का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का आह्वान करेगी, जो देश के संवैधानिक पदों और नेतृत्व की गरिमा का सम्मान नहीं करते।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने स्वयं कार्यकर्ताओं को चॉकलेट वितरित करते हुए कहा कि इटली राहुल गांधी का ननिहाल है। ननिहाल में मेलोडी टॉफी देखते ही राहुल गांधी मचलने लगे। उन्हें टॉफी के अलावा किसी ओर का ध्यान नहीं रहा। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति नहीं दिखाई दे रही, राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति नजर नहीं आ रही। जबकि उन्हें सिर्फ मेलोडी टॉफी नजर आ रही है, यह बचकाना हरकत नहीं है तो क्या है। राहुल गांधी की हरकतों को देखते हुए कहा जा सकता है कि वे बुद्धि से बच्चे ही है, वे मानसिक रूप से विकसित नहीं हुए है। राहुल गांधी के बयान राष्ट्रीय नेतृत्व के स्तर के अनुरूप नहीं हैं और इस प्रकार की टिप्पणियां उनकी राजनीतिक निराशा को दर्शाती हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस द्वारा भाजपा मुख्यालय घेराव पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद पूरी तरह बिखरी हुई है और ऐसी स्थिति में भाजपा का घेराव करने की बात हास्यास्पद है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता ही एकजुट दिखाई नहीं दे रहे हैं। नीट पेपरलीक मामले में भाजपा सरकार का कोई दोष नहीं है और बिना किसी ठोस आधार व नीति के केवल राजनीतिक नौटंकी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल अखबारों की सुर्खियों में आने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम कर रही है। राजस्थान में भाजपा सरकार के दौरान कोई पेपर लीक की घटना नहीं हुई है। नीट से जुड़ा मामला भी राजस्थान से संबंधित नहीं है। कांग्रेस शासनकाल में अनेक बार पेपर लीक की घटनाएं हुईं, लेकिन उस समय कांग्रेस ने वर्षों तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत, वर्तमान मामले में एनटीए ने तुरंत कार्रवाई की हैं। राठौड़ ने कहा कि किसी भी घेराव या आंदोलन के लिए जनबल और जनसमर्थन की आवश्यकता होती है, जो कांग्रेस के पास अब नहीं बचा है। कांग्रेस के आरोप निराधार हैं और जनता अब उनकी राजनीति को गंभीरता से नहीं लेती।

संक्षिप्त समाचार

मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

चमकता राजस्थान/ महेश कुमार बिड़ला रिपोर्टर / मांडल भीलवाड़ा। खड़ेश्वर जी महाराज आश्रम में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण विधायक उदयलाल भड़ाना द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित लोगों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक भड़ाना ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक स्थलों के विकास के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा, ताकि क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने चल रहे निर्माण कार्य पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान लालकृष्ण सेन भेरूलाल तड़बा, राधे जांगिड़, रतन पायक, महेश बिरला, ओमप्रकाश तेली, ऋतिक मयंक जोशी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आज भयानक गर्मी से जरूरत मंद परिवार पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहा पानी कहां से लाएं और लायें तो ठंडा कैसे करें

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। आज समाजसेवी नीता जैन से झुग्गी झोपड़ी में उनके हाल चाल पूछने देने आते रहते नीता जैन उषा गर्ग तो लोगों ने अपनी समस्या बताई कि पानी आ नहीं रहा थोड़ा बहुत है तो बलबलता गर्म रहता है तो सोचा मटकियां दी जाए जायंट्स क्लब ब्लू सिटी सहेली की अध्यक्ष नीता जैन और लायंस क्लब आगाज द्वारा दी गई जिससे खुशी से चेहरे खिले आस्था वृद्ध आश्रम शास्त्री नगर में 175 प्रबुद्ध जनों को नीता जैन की तरफ से आइसक्रीम खिलाई गई तो सभी प्रबुद्ध जनों के चेहरे ने मुस्कुराहट देख कर सुकून मिला आओ खुशियां बांटे की भावना से किया गया ये कार्य था समाजसेविका उषा गर्ग का सहयोग रहा।

जिला समन्वयक और उप जिला जनगणना अधिकारी द्वारा जनगणना का निरीक्षण

चमकता राजस्थान/ पत्रकार कमल साहू/ब्यावर। जनगणना 2027 कार्यक्रम के तहत जिला ब्यावर, चार्ज नगर परिषद ब्यावर के वार्ड नंबर 60 ल छ इ संख्या 284 घोड़तों का बाडीया, शेषपूरा में प्रगणक बालू काठात एवं सुपरवाइजर डॉक्टर पहलाद सिंह के जनगणना कार्यों का निरीक्षण जिला समन्वयक चंदन सिंह एवं उप जिला जनगणना अधिकारी कैलाश चंद्र ने किया इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर ताराचंद जांगिड़ भी मौजूद थे।

नजरी नक्शा बनाने के बाद प्रगणक द्वारा घर-घर संपर्क कर मकान सूचीकरण कार्य किया जा रहा है। प्रगणकों की समस्याओं का समाधान किया गया और कार्य सुचारू रूप से करने हेतु निर्देश प्रदान किए गए।

रायसिंहनगर वन विभाग में पदस्थापन को लेकर मचा बवाल, पवन बिश्नोई की नियुक्ति पर उठे गंभीर सवाल

चमकता राजस्थान

रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई)। रायसिंहनगर वन विभाग में एक बार फिर पदस्थापन को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। विभाग में पवन बिश्नोई की नियुक्ति को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मामला उस समय और अधिक सुर्खियों में आ गया जब एक मीडिया कर्मी द्वारा इस संबंध में डीएफओ से सीधे सवाल पूछे गए। सूत्रों के अनुसार, डीएफओ ने जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने केवल तीन नाम ही उच्चाधिकारियों को भेजे थे। ऐसे में यह बड़ा प्रश्न खड़ा हो गया है कि आखिर पवन बिश्नोई की नियुक्ति किन परिस्थितियों और किस आधार पर की गई। इस बयान के बाद विभागीय कार्यप्रणाली और नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं।

क्षेत्र में आमजन और वन्य जीव प्रेमियों के बीच चर्चा है कि वन विभाग में लंबे समय से पदस्थापन और कार्रवाई को लेकर पारदर्शिता की कमी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि सरकारें बदलती रहीं, लेकिन विभागीय व्यवस्था और कार्यशैली को लेकर उठने वाले सवाल आज भी जस के तस बने हुए हैं। चाहे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार रही हो या वर्तमान भाजपा शासन, नियुक्तियों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं।

कुछ लोगों द्वारा यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि इस नियुक्ति के पीछे राजनीतिक दबाव या किसी प्रकार का प्रभाव काम कर सकता है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में विभाग की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन विभागीय चुप्पी ने मामले को और अधिक चर्चा का विषय बना दिया है।

वहीं क्षेत्र में यह भी कहा जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस पूरे प्रकरण की ''कुंडली'' सामने आ सकती है, जिससे यह स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर नियुक्ति के पीछे वास्तविक कारण क्या रहे। यदि मामले की निष्पक्ष जांच होती है तो कई और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

अब सबकी निगाहें प्रशासन और वन विभाग के उच्च अधिकारियों पर टिकी हुई हैं कि वे इस मामले में क्या रुख अपनाते हैं और क्या वास्तव में नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब जनता को मिल पाएगा या नहीं।

ठाणे के गावदेवी भाजी मार्केट में भीषण आग; सुरक्षा गार्ड और फायर ब्रिगेड जवान की मौत

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे। ठाणे के नौपाडा इलाके में गोखले रोड स्थित गावदेवी भाजी मार्केट में गुरुवार तड़के भीषण आग लगने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान आग बुझाने के समय भारी धुएं का सामना करना पड़ने से सुरक्षा गार्ड काळू गाडेकर (उम्र 53 वर्ष) और फायर ब्रिगेड जवान सागर शिंदे की दुखद मौत हो गई। इस हादसे में पांच लोगों के घायल होने की प्राथमिक जानकारी सामने आई है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जवानों ने काफी प्रयास कर आग पर नियंत्रण पाया। हालांकि मार्केट परिसर में भारी मात्रा में धुआं फैलने के कारण राहत और बचाव कार्य में बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं। सौभाग्य से यह घटना देर रात हुई, जिसके कारण पास स्थित मनपा प्रभाग समिति कार्यालय बंद था। अधिकारियों के अनुसार, यदि कार्यालय खुला होता तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है और संबंधित एजेंसियों द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल है तथा नागरिकों ने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्थाएं और मजबूत करने की मांग की है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित

चमकता राजस्थान

जालोर। वीरो रिपोर्ट कयूम खान /फोटो साबिर सागर। जिला कांग्रेस कमेटी जालौर की ओर से आज सुबह 11:00 बजे पूर्व प्रधानमंत्री एवम भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर राजीव गांधी भवन में श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को याद किया। साथ ही उनके द्वारा बताए गये आदर्श एवम सिद्धान्तों पर चलने का संकल्प लिया। राजीव गांधी द्वारा देश में आधुनिक तकनीक, पंचायती राज एवं युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में किये गए महत्वपूर्ण कार्यो को याद किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश महासचिव नैन सिंह राजपुरोहित, लाल सिंह धानपुर, सं×गठन महासचिव वीरेंद्र जोशी,जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत,रमेश सोलंकी, जुल्फिकार अली भुट्टो,नगराध्यक्ष मुमताज अली,मदनलाल दहिया, जिला सचिव दीपाराम ओटवाड़ा,अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष जाकिर खान, सोशियल मीडिया महेंद्र सोनगरा, कृष्ण कुमार वनिका, अशोक परिहार, अमीन मोयला,इकबाल खान,अनिल पंडत,पुखराज माली,रज्जब मोयला,अयूब खान सागाना,राजेश जैन,रज्जब खोखर कपुराराम परिहार, फकरुद्दीन मेहर,बाबू खान, मेहबूब खान,संजू खा सहित तमाम पदाधिकारी एवम कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

गोविंद गौ सेवा समिति सेवड़ी में ट्रैक्टर भेंट

चमकता राजस्थान/सांवलाराम चौधरी अरणाय/भीनमाल। भीनमाल के निकटवर्ती सेवड़ी गांव में स्वर्गीय श्री सोमतमल जी सोलंकी (पूर्व जिला मंत्री-भाजयुमो, जालोर) की पुण्य स्मृति में उनके परिवारजनों द्वारा श्री गोविन्द गौ-सेवा समिति, सेवड़ी को नवीन ट्रैक्टर भेंट किए जाने के गरिमामय समारोह में आयोजित हुआ।

स्वर्गीय श्री सोमतमल जी सोलंकी की पावन स्मृति में समर्पित यह अनुपम भेंट केवल एक ट्रैक्टर नहीं, बल्कि गौ-सेवा, सामाजिक समर्पण और मानवीय मूल्यों के प्रति परिवार की प्रतिबद्धता का प्रेरणादायी उदाहरण है। निश्चित रूप से यह ट्रैक्टर गौ-सेवा समिति के सेवा कार्यों को नई गति तथा मजबूती प्रदान करेगा।

इस अवसर पर श्री गोपालसिंह जी परमार, श्री महेंद्र जी माली (जिला मंत्री-भाजपा, जालोर), श्री प्रवीण जी दवे (नगर अध्यक्ष-भीनमाल), श्री शेखर जी व्यास (वरिष्ठ भाजपा नेता), श्री ठाकराराम जी चौधरी (सदस्य-पंचायत समिति-बागौड़ा), श्री शैतानसिंह जी चौहान (अध्यक्ष-गौ-शाला, सेवड़ी), श्री माधुसिंह जी चौहान (सरपंच-सेवड़ी), श्री किशोर जी सांखला सहित अनेक गणमान्य वरिष्ठजन और गौ-भक्त उपस्थित रहें।

नहर में डूब रहे दो मासूमों को बचाने वाले जांबाजों को दून पुलिस ने किया सम्मानित

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) विकासनगर की शक्ति नहर में दो मासूम बच्चियों की जान बचाने वाले जांबाज युवक मोहम्मद मुकर्रम और मोहम्मद शोएब को देहरादून के रढ देहात द्वारा किया गया सम्मानित । दोनों युवकों ने उफनती नहर में कूदकर बहादुरी दिखाते हुए बच्चियों को सुरक्षित निकाला था बाहर ।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में अधिकारियों को परिवादों के त्वरित एवं गुणात्मक निस्तारण के निर्देश

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। जिला जन अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति की बैठक एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन गुरुवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में डीओआईटी के वीसी कक्ष में किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा सभी मामलों में लगातार फॉलोअप कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए तथा परिवादी को की गई कार्रवाई की सूचना भी दी जाए।

जनसुनवाई के दौरान भूखण्ड पट्टा, रास्तों एवं भूमि से अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जे हटवाने, पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान, जैविक उर्वरक योजना की सब्सिडी दिलवाने सहित विभिन्न राजस्व प्रकरण प्राप्त हुए। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। परिवादी हरिविलास पुत्र नत्थीलाल निवासी लीला विहार कॉलोनी द्वारा भूखण्ड का पट्टा दिलवाने संबंधी परिवाद प्रस्तुत किया गया, जिस पर नगर परिषद आयुक्त को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। स्वरूपी देवी पत्नी रामचरन मांगरौल द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि भुगतान दिलवाने की मांग की गई, जिस पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। वार्ड संख्या 32 कसाई पाड़ा के निवासियों ने पेयजल आपूर्ति की समस्या रखी, जिस पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को तत्काल समाधान के निर्देश दिए गए। अम्बेडकर कॉलोनी के निवासियों ने अम्बेडकर पार्क से प्रकाश कॉलेज तक सड़क निर्माण की मांग रखी, जबकि पूठपुरा के ग्रामीणों ने आम रास्ते एवं श्मशान भूमि से अतिक्रमण हटाने की मांग की। इसके अलावा मनरेगा सड़क कार्य पूर्ण कराने, सीमांकन करवाने, जैविक उर्वरक योजना की सब्सिडी दिलाने तथा चंबल गार्डन की बाउंड्री एवं मरम्मत संबंधी परिवाद भी प्रस्तुत किए गए। जनसुनवाई में कुल 45 परिवाद प्राप्त हुए। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए एन सोमनाथ, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद बबलीराम जाट, उपखंड अधिकारी कर्मवीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ब्यूटी विथ बिज़नेस वर्कशॉप , जायंट्स ग्रुप ऑफ़ रॉयल लेडीज द्वारा

चमकता राजस्थान/ मनीष मेहता जोधपुर। महिला सशक्तिकरण विषय पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस आयोजन की विशेष अतिथि समूह की फेडरेशन ऑफिसर अध्यक्षा श्रीमती निरूपा पटवा थीं। कार्यक्रम का आयोजन समूह की सदस्य डॉ. रानी मुथा एवं निधि सुराणा द्वारा किया गया। जायंट्स ग्रुप समाज सेवा के विभिन्न कार्य के वर्ष भर करता है साथ ही महिलाओं के इस ग्रुप में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जाता है उसी के तहत ब्यूटी विथ बिज़नेस सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि श्रीमती निरूपा पटवा एवं विशेष वक्ता श्री समीर कुमार शर्मा का स्वागत प्रेक्षा चोपड़ा एवं चेतना मुथा द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इस आयोजन में कोरियन बिजनेस ऑपर्च्युनिटी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही स्वास्थ्य एवं आर्थिक समृद्धि कैसे प्राप्त की जा सकती है, इस विषय पर डॉ. रानी मुथा ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने दक्षिण कोरियाई कंपनी एटोमी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह दक्षिण कोरिया सरकार एवं वहां की निजी कंपनी कोलमार बी एंड एच का जॉइंट वेंचर होने के कारण पूर्णतः विश्वसनीय कंपनी है। इसके साथ जुड़कर महिलाएं अच्छी आय अर्जित कर सकती हैं।

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

चमकता राजस्थान/जयपुर। रामनिवास बाग स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्र में समाचार पत्र वितरक महासंघ जयपुर द्वारा ''पक्षी बचाओ अभियान'' के तहत परिंडे बांधकर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की गई। बढ़ती गर्मी को देखते हुए संगठन ने आमजन से भी अपने आसपास परिंडे लगाने और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करने की अपील की।
भाजपा जिला उपाध्यक्ष व पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि आने वाले दिनों में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भी पक्षियों के लिए परिंडे लगाए जाएंगे, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। अभियान के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण और जीवों के प्रति संवेदनशील बनने का संदेश भी दिया गया।कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष हनुमान सैनी, सावत सिंह राठौड़, राजेश यादव, सत्यनारायण शर्मा, अनिल यादव, टीकम यादव, कैलाश मीणा, गोविंद गुर्जर, संजय यादव, एडवोकेट श्रवण जोशी और आदित्य शर्मा उपस्थित रहे।

आरटीओ डीटीओ से मिले हेमंत किराडू, मेमोरेंडम दिया

चमकता राजस्थान/बीकानेर। इंटक के हेमंत किराडू की लीडरशिप में समीर खान, ज़ाकिर पडिहार और राधा किशन स्वामी ने बीकानेर आरटीओ अनिल पंड्या व बीकानेर डीटीओ संजीव कुमार से स्थानीय बीकानेर हेडक्वार्टर में मुलाकात की और एक मेमोरेंडम दिया। मेमोरेंडम में बताया गया कि बीकानेर पहले अर्बन इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के अंडर था, लेकिन अब बीकानेर डेवलपमेंट अथॉरिटी (बीडीए) के अंडर आता है, जिससे बीकानेर रीजन काफ़ी बढ़ गया है। यूनियन ने परमिट स्कोप, सड़कों की खराब हालत, शहर में ऑटो स्टैंड और ऑनलाइन चालान को कंट्रोल करने से जुड़ी मांगें उठाईं। किराडू के मुताबिक आरटीओ अनिल पंड्या ने यूनियन को भरोसा दिलाया कि उनकी सही मांगों पर सही फ़ैसले लिए जाएंगे।

पीएम मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी पर भड़की भाजपा, राहुल मानसिक रोगी: रेला

चमकता राजस्थान/दौसा।(दीपक शर्मा बामनवास)। भाजपा ज़िला अध्यक्ष लक्ष्मी रेला ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानसिक रोगी है उनकी सोच राष्ट्र विरोधी है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह एवं आरएसएस पर की गई टिप्पणी अमर्यादित और अत्यंत निदंनीय है। भारत के शीर्ष नेतृत्व के प्रति उपयोग किए गए शब्द कांग्रेस की हताशा और पतन को दिखाते हैं।लक्ष्मी रेला ने कहा राहुल गांधी अपना मानसिक संतुलन खो चुका हैं,कांग्रेस समाज में अराजकता फैलाने का काम कर रही है। अमर्यादित शब्दों से देश के सर्वोच्च पदों और देशवासियों की भावनाओं का अपमान करने के लिए राहुल गांधी को राष्ट्र से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।
जिला मीडिया प्रभारी प्रेम हरितवाल ने कहा देश की जनता ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को नकार दिया है।तब से वह इतनी हताशा में आ गए हैं कि राजनीतिक मर्यादाओं को भूलकर अमर्यादित शब्दों का प्रयोग करने लगे है।राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गद्दार कहना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है और उनकी अराजकतावादी मानसिकता को दर्शाता है। जिसके लिए देश की जनता उनको कभी माफ नहीं करेगी। राहुल गांधी को भारत और मेड इन इंडिया की हर चीज से इतनी नफरत क्यों है? कांग्रेस को हर उपलब्धि में समस्या नजर आती है। देश को वैश्विक सम्मान, निवेश और भरोसा वे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं,कांग्रेस और राहुल गांधी सोच मुस्लिम तुष्टीकरण एवं राष्ट्र विरोधी हैं,उन्होंने अमर्यादित टिप्पणी कर के देशवासियों कि भावनाओं का अपमान किया हैं,इसलिए उनकों देशवासियों से सार्वजनिक माफ़ी मागनी चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नवनिर्वाचित राष्ट्रीय टीम को दिलाई शपथ ; देश-विदेश से जुटे हजारों अग्र-बंधु

अग्रवाल सम्मेलन के 51 वर्षों के इतिहास में दिल्ली में हुआ ऐतिहासिक महासंगम

चमकता राजस्थान

नई दिल्ली। देश की राजधानी के होटल ली-मेरिडियन में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सम्मेलन के 51 वर्षों के इतिहास में यह पहला मौका था, जब देश-विदेश से आए हजारों अग्र-बंधुओं और समाज की सभी प्रमुख संस्थाओं के दिग्गजों की उपस्थिति में ऐसा अभूतपूर्व महासंगम देखा गया।
मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नवनिर्वाचित राष्ट्रीय टीम को पद की शपथ दिलाई। नई टीम में बसंत कुमार मित्तल (राष्ट्रीय अध्यक्ष), गोपाल गोयल (राष्ट्रीय महामंत्री) और नत्थूराम जैन (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष) ने मुख्य कमान संभाली। उनके साथ राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सत्य भूषण जैन, पूरणमल अग्रवाल, डॉ. राजेंद्र अग्रवाल व कुलभूषण गोयल व राष्ट्रीय उप महामंत्री पद पर प्रेमचंद मंगल, मनोज जिंदल, प्रमोद जैन व अमित अग्रवाल ने शपथ ली।

दक्षिण भारत से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

ओमप्रकाश पोद्दार ने भी समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान समारोह में समाज के विकास में योगदान देने वाले प्रमुख उद्योगपतियों व भामाशाहों विनीत लोहिया, नंदकिशोर अग्रवाल, धर्मपाल सिंगला, रामगोपाल धानुका, राजेश गुप्ता, विष्णु अग्रवाल (रांची), विजय गुप्ता, प्रमोद गर्ग, सुरेश गोयल व रामसिसारिया बंधुओं को सम्मानित किया गया। साथ ही, विशेष सहयोगी बीएल. गुप्ता, विनोद गुप्ता, अभीष्ट गोयल, पियूष जैन, पुनीत जैन, गिरीश जैन, निर्मल गोयल, रामावतार अग्रवाल और संजय जैन (अखाड़ा वाले) का भी अभिनंदन हुआ। इस अवसर पर अनुपस्थित रहे मुख्य प्रायोजक एसएस. अग्रवाल को सम्मानपूर्वक 'चेयरमैन' घोषित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाराजा अग्रसेनजी और सम्मेलन के इतिहास पर आधारित एक शानदार डॉक्यूमेंट्री (चलचित्र) दिखाई गई, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस महाकुंभ में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बनारसी दास गुप्ता के सुपुत्र अजय गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, बालकिशन अग्रवाल, ईश्वर प्रसाद अग्रवाल, सुरेश बंसल, आईवीएफ अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, श्रीमती मीना गुप्ता और जेवर ग्रुप के घनश्याम गुप्ता सहित देश की तमाम अग्र संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी उपस्थित रहे। विनीत लोहिया व नंदकिशोर अग्रवाल के ओजस्वी संबोधन और बाबा बालकानंद गिरिजी के दिव्य आशीर्वचन के साथ पूरे देश से आए प्रतिनिधियों ने नई टीम का पगड़ी, पटका और मेमेंटो देकर भव्य स्वागत किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने घाटा नैनवाड़ी में 151 कुंडात्मक महायज्ञ में की शिरकत , देवनारायण मंदिर में की पूजा-अर्चना

चमकता राजस्थान

सवाई माधोपुर। जिले के घाटा नैनवाड़ी स्थित भगवान श्री देवनारायण मंदिर में आयोजित सात दिवसीय 151 कुंडात्मक महायज्ञ के अंतर्गत गुरुवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कलश यात्रा के प्रधान कलश एवं यज्ञ स्थल का विधिवत पूजन किया। इस दौरान उन्होंने लोक देवता भगवान श्री देवनारायण जी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।
कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे क्षेत्र में भक्ति

एवं आस्था का माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा में महिलाओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठानों और वैदिक मंत्रोच्चार से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।
उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी लोक संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिक विरासत को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि धर्म, संस्कृति और सामाजिक समरसता को समर्पित यह महायज्ञ समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और भाईचारे का संदेश देता है।
कार्यक्रम में पूज्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 महंत श्री बालकानंद गिरी जी महाराज, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री मानसिंह जी गुर्जर, बामनवास भाजपा प्रत्याशी श्री राजेंद्र मीणा जी, प्रधान श्री कृष्णा पोसवाल जी, ट्रस्ट महामंत्री श्री पवन पोसवाल जी, माताएं-बहने एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उपखंड अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर को भावभीनी विदाई, कृष्ण कुमार ने संभाला पदभार

चमकता राजस्थान /पत्रकार कश्मीर सिंह जिला खैरथल तिजारा/टपूकड़ा। टपूकड़ा उपखंड अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर के स्थानांतरण पर बुधवार को सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अग्रवाल समाज टपूकड़ा के अध्यक्ष, भाजपा नेता एवं समाजसेवी टीटू गर्ग द्वारा किया गया। समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, अधिवक्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लेकर उपखंड अधिकारी को भावभीनी विदाई दी।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने लाखन सिंह गुर्जर का माला, साफा एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मान किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं नई पदस्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों का कुशलता, पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ निर्वहन किया। उनके कार्यों से आमजन को राहत मिली और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में सकारात्मक सुधार देखने को मिला। कार्यक्रम में टीटू गर्ग एवं एडवोकेट कपिल चौहान ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि लाखन सिंह गुर्जर ने सदैव जनहित को प्राथमिकता देते हुए प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया। इस अवसर पर नव नियुक्त उपखंड अधिकारी कृष्ण कुमार ने भी पदभार ग्रहण किया। समारोह में टपूकड़ा बार एसोसिएशन अध्यक्ष एडवोकेट कपिल चौहान, तहसीलदार शैतान सिंह, टपूकड़ा थानाधिकारी आसाराम गुर्जर, थाना फेस-3 प्रभारी प्रदीप नेहरा, मंडल अध्यक्ष विजय यादव, व्यापार प्रकोष्ठ संघ अध्यक्ष पवन गुप्ता, देशपाल यादव, दिनेश यादव, हर्ष यादव, एडवोकेट विपिन गर्ग, सौरभ गोयल, उत्तम गुप्ता, घनश्याम गुप्ता, ओमवीर सिंह चौहान, बने सिंह विधूड़ी, अमरचंद गर्ग, महेंद्र पोसवाल, भूपेंद्र यादव, भुवनेश

क्षतिग्रस्त सड़क को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के ग्राम पंचायत बिशनपुरा के सिंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने 2 किलोमीटर लंबी क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़क को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने दी चेतावनी कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे दौसा जिला कलेक्टर कार्यालय पर जाकर धरना देंगे।
सैंथल उपखंड के सिंगपुरा गांव के ग्रामीणों ने 2 किलोमीटर लंबी क्षतिग्रस्त ग्रेवल सड़क को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे दौसा जिला कलेक्टर कार्यालय पर धरना देंगे।
ग्रामीणों ने बताया कि बड़ा सिंगपुरा से बड़ा महेश्वरा जाने वाला यह रास्ता बारिश के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। सड़क की खराब हालत के कारण आवागमन लगभग ठप हो गया है, जिससे ग्रामीणों को अन्य गांवों तक पहुंचने के लिए 3 से 4 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ता है।
ग्रामीण जय राम गुर्जर ने जानकारी दी कि इस सड़क को दो साल पहले दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने स्वीकृत किया था और इसका निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा किया गया था। लेकिन इस सड़क का कोई भी जिम्मेदार नहीं बन रहा ना तो पीडब्ल्यूडी और नाहीं ग्राम पंचायत दोनों आपस में एक दूसरे पर चूप्पी शाद रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है हमने कई बार इसके बारे में अवगत करा दिया लेकिन कोई सुनवाई नहीं कर रहा हमारे को संसाधन व पैदल राहगीर भी नहीं चल पा रहे
कमलेश गुर्जर सहित कई महिला ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनके गांव के लिए डामर सड़क स्वीकृत हुई थी, लेकिन राजनीतिक दबाव के चलते डामर के बजाय ग्रेवल सड़क बना दी गई। स्वीकृत डामर सड़क को छोटा सिंगपुरा में बनवा दिया गया।
ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर, सैंथल उपखंड अधिकारी और सैंथल तहसीलदार को भी अवगत कराया है। हालांकि, अभी तक किसी भी विभाग ने सड़क की जिम्मेदारी नहीं ली है और न ही कोई समाधान निकाला गया है।

गाडुलिया लोहार समाज ने 501 कलशों की निकाली भव्य यात्रा, उमड़े समाजजन

चमकता राजस्थान/सेमारी। सलूंबर जिले के सेमारी गाडुलिया लोहार समाज के मांगी लाल और उनके बेटे पूजी लाल, दिनेश के तत्वावधान में कलश यात्रा व गंगा प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें 501 कलश धारण किए महिलाओं का उत्साह देखने को मिला कलशों की यात्रा का शुभारंभ कुराड़िया रोड़ से सालवी मोहल्ला मेघवाल मोहल्ला सदर बाजार बावड़ी पहुंचा वहां से जैन मोहल्ला कलाल मोहल्ला दर्जी मोहल्ला गणपति चौक बस स्टैंड होकर वापस अपने स्थान पहुंची। इस दौरान समाज के युवा और प्रबुद्ध जन पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते दिखाई दिए।

● 501 कलशों के साथ सज-धज कर निकलीं महिलाएं

इस भव्य यात्रा का मुख्य आकर्षण 501 कलश लिए हुए समाज की महिलाएं और बालिकाएं थीं पारंपरिक पोशाकों में सजी महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर रखे थे। कतारबद्ध होकर चलती इन महिलाओं के अनुशासन और श्रद्धा ने हर किसी का मन मोह लिया।
समाज के पंच पदाधिकारियों ने इस मौके पर गाडुलिया लोहार समाज के इतिहास, संस्कृति और समाज के उत्थान को लेकर विचार व्यक्त किए। अंत में विशाल गंगा प्रसादी का आयोजन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस आयोजन में मेवाड़, मारवाड़, गुजरात, वागड़ क्षेत्र के हजारों की संख्या में समाजजनों ने भाग लिया। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है इस तरह के आयोजनों से न केवल हमारी धार्मिक आस्था सुदृढ़ होती है, बल्कि समाज में एकता, समरसता और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा मिलती है। सेमारी के इतिहास में गाडुलिया लोहार समाज की यह अनूठी और ऐतिहासिक पहल है।
बीती रात को भजन संध्या का आयोजन किया गया गया जिसमें समाज के भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई।

बीजेपी कार्यालय घेराव के कार्यक्रम में सुनील शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने लिया भाग

चमकता राजस्थान/जयपुर। पेपर लीक मामले में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के आव्हान आप बीजेपी कार्यालय घेराव के प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में जयपुर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में हज़ारों कांग्रेसजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में शहर की सभी आठों विधानसभा क्षेत्रों से हज़ारों की संख्या में कांग्रेसजन नारे लगाते हुए उमड़ पड़े।
कार्यक्रम का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष श्री गोविंद सिंह डोटासरा, विधानसभा में कांग्रेस दल के नेता श्री टीकाराम जूली कर रहे थे।
घेराव में जयपुर शहर जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील शर्मा, पूर्व मंत्री श्री प्रतापसिंह खाचरियावास, विधायक रफीक ख़ान, पूर्व विधायक श्रीमति गंगा देवी, पूर्व अध्यक्ष श्री आर आर तिवारी पार्टी प्रत्याशी श्रीमति अर्चना शर्मा, पुष्पेंद्र भारद्वाज, विक्रमसिंह शेखावत सहित प्रदेश के प्रमुख नेताओं ने भी भाग लिया। हज़ारों लोगों के इस जनसैलाब को पुलिस ने कमिश्नर कार्यालय के बाहर रोक लिया और जेट से पानी का छिड़काव किया गया। ऐतिहासिक घेराव कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बनता था।

इशिका जैन के नेतृत्व में ब्यावर की सैकड़ों महिलाएं शामिल

नीट पेपर लीक के विरोध में जयपुर में महिला कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

चमकता राजस्थान

ब्यावर/जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जयपुर में नीट पेपर लीक मामले को लेकर महिला कांग्रेस द्वारा जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। युवाओं के भविष्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे को लेकर प्रदेशभर से कांग्रेस कार्यकर्ता एवं महिला कांग्रेस पदाधिकारी बड़ी संख्या में जयपुर पहुंचे और निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।
महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सारिका सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस

प्रदर्शन में ब्यावर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष इशिका जैन प्रमुख रूप से शामिल रहीं। उनके साथ ब्यावर जिले की सैकड़ों महिला कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाते हुए युवाओं के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की।
प्रदर्शन में राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव सुलक्षणा शर्मा भी

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों मेहनती विद्यार्थियों के भविष्य के साथ अन्याय हैं और ऐसे मामलों में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है।
इस दौरान इशिका जैन ने कहा कि युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सख्त सजा दी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।
धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी युवाओं के अधिकारों और उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी। जयपुर में हुए इस प्रदर्शन में प्रदेशभर से पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। वहीं, ब्यावर से पहुंची महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष इशिका जैन की सक्रिय मौजूदगी और नेतृत्व चर्चा का विषय रहा।

इबोला वायरस को लेकर दिल्ली एयरपोर्ट पर अलर्ट

सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नयी दिल्ली

दिल्ली हवाई अड्डे पर इबोला वायरस को लेक- र स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी की गई है. डीजीएचएस ने इस खतरनाक वायरस को लेक- र एडवाइजरी जारी की है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एडवाइजरी में कहा है कि इबोला वायरस प्रभावित देशों से आने वाले या वहां से होकर गुजरने वाले यात्रियों को ध्यान देने की जरूरत है. हाई जोखिम वाले देशों डीआर कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान की यात्रा करने वाले यात्रियों में अगर इबोला से संबंधित कोई भी लक्षण दिखाई देते हैं तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जाए.

सरकार का बयान

इबोला वायरस को लेकर एयरपोर्ट्स पर हेल्थ स्क्रीनिंग और निगरानी बढ़ाई गई है. सरकार ने कहा है कि यह कदम एहतियात के तौर पर उठाए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने से रोका जा सके. भारत में अभी तक एक भी मामले सामने नहीं आए हैं.

इबोला के लक्षणों को अनदेखा न करें

इन देशों से दिल्ली एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों में अगर बुखार, कमजोरी या थकान, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी-दस्त, अस्पष्ट रक्तस्राव, गले में खराश जैसे कोई भी लक्षण दिखाई देते हैं को इनको अनदेखा न करें. साथ ही इबोला वायरस के मरीजों या संदिग्धों के खून या फिर या बा- ॅडी फ्लूड्स के सीधे संपर्क में आए यात्रियों को इमिग्रेशन क्लियरेंस से पहले एयरपोर्ट पर हेल्थ ऑफिसर या हेल्थ डेस्क को तुरंत सूचित करना चाहिए.

इबोला के लक्षण होने पर अपनी ट्रेवल हिस्ट्री बताएं

इसके साथ ही DGHS ने ऐसे लोगों के लिए जरूरी सलाह देते हुए कहा है कि कोई भी यात्री आने के 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के इबोला से संबंधित लक्षण विकसित होने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें और स्वास्थ्य अधिकारियों को अपनी ट्रेवल हिस्ट्री की जानकारी दें. यात्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों के हित में, स्वास्थ्य जांच और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों में सहयोग करें. एयरपोर्ट स्वास्थ्य संगठन की तरफ से ये कहा गया है.

एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर स्क्रीनिंग सख्त

बता दें कि भारत में अब तक इबोला वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है, लेकिन हलड की ओर से इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किए जाने के बाद केंद्र सरकार ने एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं. एयरपोर्ट और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर निगरानी और स्क्रीनिंग को और सख्त करने के निर्देश दिए गए हैं.

कैसे फैलता है इबोला वायरस?

इबोला एक खतरनाक और जानलेवा बीमारी है. ये इंसानों के साथ-साथ अन्य प्राइमेट (बंदर जैसी प्रजातियों) को भी प्रभावित करती है. यह वायरस आमतौर पर जंगली जानवरों जैसे चमगादड़, साही, कुछ बंदर प्रजातियों से इंसानों में फैलता है. इसके बाद यह संक्रमित व्यक्ति के खून, शरीर के तरल पदार्थ, अंगों या अन्य स्राव के सीधे संपर्क से फैलता है. यह दूषित बिस्तर या कपड़ों से भी फैलता है.

इबोला वायरस खतरनाक क्यों ?

हाई डेथ रेटतेजी से हालत बिगड़नाशुरुआती लक्षण सामान्य जैसे लगना

इबोला वायरस का इलाज क्या है?

इबोला का फिलहाल कोई पूरी तरह पक्का इलाज नहीं है, लेकिन शुरुआती इलाज और सही देखभाल से मरीज की जान बचाई जा सकती है. शरीर में पानी की कमी न होने देना, संक्रमण को कंट्रोल करना और जरूरी दवाएं देना इलाज का अहम हिस्सा है.

इबोला से कैसे करें बचाव?

- संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाए रखें.
- हाथों को बार-बार साबुन से धोएं.
- मास्क और ग्लव्स का इस्तेमाल करें
- संक्रमित जानवरों के संपर्क से बचें.
- भीड़भाड़ वाली जगहों में सावधानी रखें
- कोई भी लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें.

लिटन दास और रिजवान भिड़े! बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने किया जमकर स्लेज

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश ने इतिहास रचते हुए पाकिस्तान को अपनी सरजमीं पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। ढाका में पहले टेस्ट में बांग्लादेश ने 104 रन से और सिलहट में दूसरे टेस्ट में 78 रन से जीत हासिल की। हालांकि, सिलहट टेस्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बांग्लादेश के लिटन दास और पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान भिड़ गए। और इसके बाद तो पूरी बांग्लादेश टीम ने मिलकर रिजवान को खूब स्लेज किया। बांग्लादेश क्रिकेटरों ने यहां तक कहा कि रिजवान अच्छी एक्टिंग करता है, इसे बॉलीवुड में भेजो, लेकिन वहां भी इसे कोई नहीं लेगा। इसकी ओवरएक्टिंग इतनी है कि 50 पैसे काट लेंगे।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, सिलहट टेस्ट में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को 437 रन का लक्ष्य दिया था। रिजवान और बांग्लादेशी खिलाड़ियों की लड़ाई पाकिस्तान की दूसरी पारी के दौरान हुई।

वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ब्राजील को झटका; नेमार जूनियर फिर हुए चोटिल

रियो डी जनेरियो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के आगाज से ठीक पहले ब्राजील को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी नेमार एक बार फिर चोटिल हो गए हैं। नेमार को हाल ही में ब्राजील की विश्व कप टीम में चुना गया है। 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के मुताबिक, 34 साल के सैंटोस स्टार बुधवार को सैन लोरेंजो के खिलाफ अपनी टीम के घरेलू कोपा सुदामेरिकाना मैच में पिंडली की चोट के कारण नहीं खेल पाए। हालांकि ब्राजील के क्लब ने नेमार की इंजरी को गंभीर नहीं बताया है। सैंटोस टीम के डॉक्टर रोड्रिगो जोगैब ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी 27 मई को ब्राजील के पहले प्री-वर्ल्ड कप ट्रेनिंग सेशन के लिए तैयार होंगे।

'ओ ग्लोबो' ने जोगैब के हवाले से कहा, 'नेमार नेशनल टीम में फिट या लगभग पूरी तरह से फिट होने की स्थिति में ही टीम को रिपोर्ट करेंगे। इस बात की भी संभावना है कि वह अगले मंगलवार को डेपोर्टिवो कुएनका के खिलाफ खेल सकते हैं।' ब्राजील के लिए 128 इंटरनेशनल मुकाबलों में सबसे ज्यादा 79 गोल करने वाले नेमार ने ब्राजील के लिए आखिरी मुकाबला अक्टूबर 2023 में खेला था।

उरुग्वे के खिलाफ हुए वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उनका एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट फट गया था। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व अटैकर तब से चोटों से जूझ रहे हैं; पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद नेमार ने 38 मुकाबलों में सिर्फ 17 गोल किए हैं।

यह नेमार का चौथा फीफा वर्ल्ड कप होगा। इससे पहले वह 2014, 2018 और 2022 एडिशन में खेल चुके हैं। वह कैस्टिलो, जल्मा सैंटोस, निल्टन सैंटोस, पेले, एमर्सन लीओ, कैफू, रोनाल्डो और थियागो सिल्वा के साथ सबसे ज्यादा बार इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ब्राजील के खिलाड़ी बन जाएंगे।नेमार के पास पेले के साथ जुड़ने और चार अलग-अलग वर्ल्ड कप में ब्राजील की नंबर 10 शर्ट पहनने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का भी मौका है। विश्व कप में नेमार ने 13 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने आठ गोल किए हैं और तीन असिस्ट किए हैं। ब्राजील अपने अभियान का आगाज 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ टूर्नामेंट शुरू करेगा, जिसके बाद ग्रुप सी में टीम की भिड़ंत हैती और स्कॉटलैंड से होगी।

वैभव सूर्यवंशी अब अभिषेक से आगे

रोहित शर्मा 4 नंबर पर

आईपीएल में 200+ चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-5 भारतीय

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा ओपनर बैटर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 के 64वें मैच में चेज करते हुए 93 रन की तूफानी पारी खेली और टीम को जीत दिलाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। वैभव ने अपनी इस पारी के दौरान 10 बेहतरीन छक्के भी लगाए और वो अब आईपीएल इतिहास में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए और अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी निकले अभिषेक शर्मा से आगे- आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले अभिषेक शर्मा पहले नंबर पर थे, लेकिन लखनऊ के खिलाफ अपनी पारी के दौरान 10 छक्के लगाकर वैभव सूर्यवंशी ने अब अभिषेक को पीछे छोड़ दिया। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अब वैभव पहले नंबर पर आ गए। उन्होंने अब तक इस लीग में चेज करते हुए 10 पारियों में कुल 42 छक्के लगाए हैं जबकि अभिषेक शर्मा ने 17 पारियों में 41 छक्के लगाए थे। आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर संजू सैमसन हैं जिन्होंने अब तक 15 पारियों में कुल 40 छक्के लगाए हैं जबकि रोहित शर्मा इस सूची में चौथे स्थान पर हैं जिन्होंने 25 पारियों में 38 छक्के जड़े हैं। केएल राहुल इस लिस्ट में 5वें भारतीय हैं जिन्होंने 200 या उससे ज्यादा का स्कोर चेज करते हुए इस लीग में 22 पारियों में कुल 36 छक्के लगाए हैं।

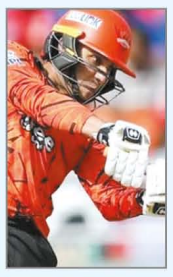

200 या उससे ज्यादा स्कोर चेज करते हुए सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले

टॉप-5 भारतीय

- 42 छक्के : वैभव सूर्यवंशी (10 पारी)
- 41 छक्के : अभिषेक शर्मा (17 पारी)
- 40 छक्के : संजू सैमसन (15 पारी)
- 38 छक्के : रोहित शर्मा (25 पारी)
- 36 छक्के : केएल राहुल (22 पारी

दलीप ट्रॉफी से होगी

BCCI के घरेलू सत्र की शुरुआत

11 अक्टूबर से रणजी ट्रॉफी का पहला चरण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2026-27 घरेलू सत्र के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। नए घरेलू सीजन की शुरुआत 23 अगस्त से दलीप ट्रॉफी के साथ होगी, जबकि देश की सबसे प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी इस बार भी दो चरणों में आयोजित की जाएगी। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से खेला जाएगा। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी समेत पूरे घरेलू सत्र का शेड्यूल भी सामने आ गया है। बीसीसीआई इस घरेलू सत्र में पुरुष और महिला वर्ग के अलग-अलग आयु समूहों और सीनियर स्तर पर कुल 1788 मुकाबलों का आयोजन करेगा। इसमें पुरुषों के अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टूर्नामेंट शामिल हैं, जबकि महिलाओं के अंडर-15, अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताएं भी खेली जाएंगी।

दलीप ट्रॉफी फिर जोनल फॉर्मेट में- दलीप ट्रॉफी की वापसी फिर जोनल फॉर्मेट में होगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त से 10 सितंबर तक खेला जाएगा।

सभी मुकाबले बेंगलुरु स्थित उत्कृष्टता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित होंगे। इसके बाद रणजी ट्रॉफी विजेता जम्मू-कश्मीर और शेष भारत के बीच ईरानी कप एक से पांच अक्टूबर तक श्रीनगर में खेला जाएगा।

दो चरणों में रणजी ट्रॉफी-

बीसीसीआई के घरेलू कैलेंडर की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से पांच नवंबर तक खेला जाएगा। इस दौरान चार राउंड के मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का दूसरा चरण 17 जनवरी से तीन मार्च 2027 तक आयोजित होगा। इसके बीच सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी खेली जाएंगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

राष्ट्रीय टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 14 नवंबर से छह दिसंबर तक खेली जाएगी। लीग चरण के मुकाबले मुंबई, मोहाली, विशाखापत्तनम और कोलकाता में होंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले नागपुर में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार, इस टूर्नामेंट का समय ऐसा रखा गया है ताकि आईपीएल नीलामी से पहले टैलेंट स्काउट खिलाड़ियों पर नजर बना पाएं और अपनी सूची तैयार कर सकें। आईपीएल नीलामी दिसंबर में होने की संभावना है।

दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी

राष्ट्रीय वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी 14 दिसंबर 2026 से आठ जनवरी 2027 तक खेली जाएगी। बीसीसीआई ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी (अंडर-16) के कार्यक्रम में भी बदलाव किया है। यह टूर्नामेंट नवंबर से जनवरी के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई का मानना है कि इससे खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का समय मिलेगा। इसके साथ ही स्कूल क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों को फरवरी-मार्च में होने वाली वार्षिक और बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी पर्याप्त समय मिल सकेगा। बीसीसीआई की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 2026-27 घरेलू सत्र का कार्यक्रम सभी प्रारूपों और आयु वर्गों के बीच संतुलन बनाए रखते हुए मजबूत और प्रतिस्पर्धी घरेलू ढांचे को आगे बढ़ाने की दिशा में तैयार किया गया है।

प्लेऑफ की उम्मीदें अब भी बरकरार

मुंबई पर जीत के बाद तालिका में छठे स्थान पर पहुंची कोलकाता

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुंबई इंडियंस को चार विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है। बुधवार को ईडन गार्डन्स पर खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 148 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ कोलकाता की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 13 अंक हो गए और नेट रन रेट +0.011 हो गया है। अब केकेआर को उनका आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है। कोलकाता ने इस जीत के दम पर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा है।

मुंबई ने 41 के स्कोर तक अपने चार विकेट खो दिए थे। जब पारी के आठ ओवर पूरे हो गए थे, बारिश ने दखल दिया, लेकिन ब्रेक के बावजूद ओवरों में कटौती नहीं की गई। कप्तान हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। तिलक वर्मा 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पांड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

कॉर्बिन बॉश ने दीपक चाहर के साथ आठवें विकेट के लिए 20 गेंदों में 42 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। बॉश 18 गेंदों में दो छक्कों और तीन चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए, जबकि सुनील नरेन ने एक विकेट निकाला।

इसके जवाब में केकेआर ने पहले ही ओवर में फिन एलन (8) का विकेट गंवा दिया। यहां से कप्तान अजिंक्य रहाणे ने मनीष पांडे के साथ 28 गेंदों में 38 रन की साझेदारी की। रहाणे 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 21 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद कैमरन ग्रीन (4) भी पवेलियन लौट गए। टीम ने 7.1 ओवरों में 54 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे। यहां से रोवमैन पॉवेल ने मनीष पांडे के साथ चौथे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया

भोपाल। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम ने बुधवार को उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर की शुरुआत में ही ऑरोरा कोवासेविच (8') के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम ने जल्द जवाब दिया और कप्तान स्वीटी कुजूर (13') ने शुरुआती क्वार्टर खत्म होने से पहले पहला गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत की दीया (25') ने गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम हाफटाइम तक 2-1 से आगे रही।

भारतीय टीम ने दूसरे हाफ में नियंत्रण बनाए रखा और तीसरे क्वार्टर में प्रियंका मिंज (44') के गोल से अपनी बढ़त 3-1 की कर ली। नौशीन नाज (50') ने आखिरी क्वार्टर में एक और गोल किया और भारत की बढ़त 4-1 करते हुए जीत पक्की कर दी।

भारतीय टीम के लिए यह जीत बहुत अहम रही। इस जीत के बाद इस महीने के आखिर में जापान में शुरू होने वाले अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।

हालांकि 4 मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से जीत दर्ज की।सीरीज के पहले मैच में भारत को 3-4 से हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मैच में भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मैच में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 1-2 से हराया था।

भारतीय टीम को निश्चित रूप से शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन टीम ने दमदार खेल का प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलयाई टीम को मैचों के दौरान मुश्किल में रखा। पहला और तीसरा मुकाबला बेहद कांटे वाला रहा।

प्लेऑफ का गणित: राजस्थान की किस्मत अपने हाथ

3 टीमें दूसरों पर निर्भर, दिल्ली का बाहर होना तय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग स्टेज में पांच मैच बाकी हैं और 5 टीमें प्लेऑफ की में जगह बनाने की रेस में हैं। हालांकि, असलियत में केवल चार टीमों के पास ही प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना है। दिल्ली कैपिटल्स का रनरेट इतना खराब है कि वह शायद ही प्लेऑफ में पहुंच पाए। बाकी चार टीमों में राजस्थान रॉयल्स की किस्मत अपने हाथ में है। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स की किस्मत अन्य मुकबालों पर निर्भर है। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की जीत का मतलब यह भी है कि लीग स्टेज के आखिरी दिन 24 मई से पहले प्लेऑफ की जगह तय नहीं होगी।

आइए जानते हैं प्लेऑफ में पहुंचने का गणित

- **राजस्थान रॉयल्स : मैच -14, अंक-14-** लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अन्य मुकाबलों पर निर्भर नहीं रहना है। अगर राजस्थान रविवार को मुंबई इंडियंस को हरा देती हैं तो वह दूसरे 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। अगर गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद आखिरी मुकाबला हार जाती हैं तो राजस्थान टॉप-2 में भी पहुंच सकता है। हालांकि, रनरेट को देखते हुए इसकी संभावना बहुत कम है।

- **पंजाब किंग्स : 13 मैच में 13 अंक-** पंजाब किंग्स को न सिर्फ अपने आखिरी मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराना है, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी है कि राजस्थान रॉयल्स से मुंबई इंडियंस जीत जाए और कोलकाता नाइट राइडर्स बेहतर रनरेट के साथ 15 अंक तक न पहुंचे। अगर पंजाब किंग्स शनिवार को जीतती है। राजस्थान अपना आखिरी गेम हार जाती है, और कोलकाता आखिरी मैच जीत जाती है तो पंजाब किंग्स और केकेआर दोनों 15 अंक पर होंगी, इससे रनरेट पर मामला आ जाएगा।

- **चेन्नई सुपर किंग्स : मैच-13, अंक-12-** चेन्नई सुपर किंग्स को चाहिए कि पहले वह गुजरात टाइटंस को हराए। राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स आखिरी मैच हार जाएं। वह रनरेट के मामले में राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ सकती है। दिल्ली कैपिटल्स का रनरेट बहुत खराब है। वह शायद ही चेन्नई सुपर किंग्स से आगे निकल पाए।

- **कोलकाता नाइट राइडर्स : मैच-13, अंक-13-** कोलकाता नाइट राइडर्स को रनरेट पर निर्भर रहे बिना प्लेऑफ में पहुंचने के लिए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आखिरी मैच जीतना होगा। यह उम्मीद करनी होगी कि राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स आखिरी मैच हार जाएं। राजस्थान रॉयल्स जीती तो कोलकाता नाइट राइडर्स बाहर होगी। अगर पंजाब किंग्स जीती तो दोनों के 15-15 अंक होंगे।
- **दिल्ली कैपिटल्स : मैच-13, अंक 12-** लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की जीत से दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई। पंजाब किंग्स, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स 14 अंक तक न पहुंच पाएं तो भी राजस्थान रॉयल्स से रनरेट के मामले में दिल्ली कैपिटल्स को आगे निकलने के लिए 230 रनों से जीत दर्ज करने की जरूरत होगी।

संक्षिप्त समाचार

पीएम की अपील का असर, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने अपना कारकेड़ छोटा किया

सरायकेला, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेट्रोल-डीजल बचाने की अपील का असर अब नेताओं के कारकेड पर भी दिखने लगा है। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने खरसावां दौरे के दौरान अपने लंबे काफिले को घटाकर सिर्फ दो वाहनों तक सीमित कर दिया। इससे जुड़ी खबर नीचे पढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील पर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भी अपने काफिले (कारकेड) में भारी कटौती की है। बुधवार को पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ने खरसावां दौरा के दौरान गाड़ियों का काफिला कम करके सिर्फ दो वाहन का इस्तेमाल किया है। एक सफारी गाड़ी में जहां पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा बैठे थे, वहीं उनके निजी स्टॉफ और सुरक्षा कर्मी एक अन्य इनोवा कार में बैठे नजर आए। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा के कारकेड में जैमर वाहन और वार्निंग कार भी नहीं था। अमूमन अर्जुन मुंडा के कारकेड में वार्निंग कार, जैमर समेत पांच दर्जन गाडियों का काफिला रहता है। साथ ही एक दर्जन से अधिक सुरक्षा कर्मी भी रहते है। लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील के बाद पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा सिर्फ दो वाहनों के साथ चल रहे है।

चिनिया में अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर, ड्राइवर की मौत

गढ़वा, एजेंसी। झारखंड के गढ़वा जिले के चिनिया थाना क्षेत्र के छतैलिया पावर हाउस के पास बुधवार की शाम करीब 7 बजे एक सड़क हादसा हुआ। यहां एक महिंद्रा डीआई ट्रैक्टर के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 22 वर्षीय चालक बिपिन कोरवा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक बिपिन कोरवा, ललू कोरवा का बेटा था। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चिनिया थाना क्षेत्र के बदन राम का बताया जा रहा है। बुधवार शाम को चालक बिपिन कोरवा ट्रैक्टर से छरी (गिट्टी) गिराकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान छतैलिया पावर हाउस के पास खाली ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि चालक बिपिन ट्रैक्टर के भारी-भरकम इंजन के नीचे बुरी तरह दब गया, जिससे मौके पर ही उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और चिनिया थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। ट्रैक्टर के इंजन के नीचे दबे शव को बाहर निकालने के लिए पुलिस और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी कोशिशों के बाद शव को किसी तरह बाहर निकाला जा सका। चिनिया थाना प्रभारी बीकु कुमार रजक ने शव को अपने कब्जे में ले लिया।

अवैध कोयला खनन के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

धनबाद, एजेंसी। झारखंड के धनबाद जिले के रामकनाली ओपी क्षेत्र के केशलपुर में ग्रामीणों ने अवैध खनन के विरोध में मोर्चा खोल दिया। गांव की मुखिया प्रेमलता कुमारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अवैध मुहाने पर धावा बोला जहां हजारों की संख्या में बोरे में कोयला जमा किया था। अवैध मुहाने पर धावा बोलने से बौखलाए अवैध कोयला कारोबारियों ने दहशत फैलाने के लिए बम फोड़ा। इस घटना से ग्रामीण काफी आक्रोशित हो गए। मजदूरों को ढोने वाली ऑटो को ग्रामीणों ने तोड़ फोड़ दिया। ग्रामीणों का कहना था कि कोयला खनन ग्रामीणों के अस्तित्व को मिटा देगा। उन्होंने कहा कि भू धंसान की घटना जीवन को जोखिम में डाल रही है। प्रशासन को अविलंब अवैध कोयला खनन पर रोक लगाना चाहिए। अवैध कोयला कारोबारी जिस तरह से जमीन के नीचे से कोयला निकाल रहे हैं कभी भी सोनारडीह के टंडाबारी जैसा हम लोगों के साथ हो जाएगा। अवैध मुहाना को बंद कर रहे आक्रोशित ग्रामीणों ने रामकनाली ओपी पहुंचे। पुलिस जवानों के बीच तीखी बकझक भी हुई, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया, काफी देर तक ओपी परिसर में हंगामे की स्थिति बनी रही। सूचना मिलने पर ओपी प्रभारी अलीशा कुमारी मौके पर पहुंचीं और मामले को शांत कराया गया।

सीएसआर फंड प्रभावित क्षेत्र के लोगों के विकास कार्यों में हो खर्च : मंत्री

रांची, एजेंसी। उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड की राशि का सीधा लाभ फैक्ट्री और माइन्स से प्रभावित क्षेत्र के लोगों को मिलना चाहिए।बुधवार को रांची में आयोजित 'सीएसआर कॉनक्लेव 2026' को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्राथमिकता राज्य का विकास है और सीएसआर राशि का शत-प्रतिशत उपयोग स्थानीय लोगों की स्थिति सुधारने तथा रोजगार के अवसर पैदा करने में होना चाहिए। मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में विवाह भवन जैसी बुनियादी जरूरतों के निर्माण का सुझाव दिया और घोषणा की कि इसकी निगरानी के लिए जल्द ही एक मॉनिटरिंग सेल का गठन किया जाएगा।कॉनक्लेव में उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर राशि खर्च करने पर जोर दिया। वहीं, उद्योग निदेशक विशाल सागर ने सीएसआर की शर्तों की जानकारी देते हुए बतलाया कि इसमें नेट वर्थ 500 करोड़ और टर्न ओवर 1000 करोड़ और प्रॉफिट 5 करोड़ सालाना की कंपनी सीएसआर के दायरे में आती है।

पानी की फुहारों से दी गई राहत, पारा 45.3 डिग्री पार

आगरा , एजेंसी। आगरा में भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। तापमान 45.3 डिग्री पहुंचने के बाद मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि ताजमहल में कई पर्यटकों की तबीयत भी बिगड़ गई। राजस्थान की सीमा से सटे आगरा में लू का कहर बरकरार है। बुधवार को भी आगरा गर्म हवाओं के कारण दहकता रहा। बांदा पूरे देश में सबसे गर्म रहा तो आगरा प्रदेश के 5 गर्म शहरों की सूची में बना रहा। मंगलवार के मुकाबले अधिकतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट आई, लेकिन यह 45.3 डिग्री दर्ज किया गया। लू के प्रकोप के कारण सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक प्रमुख बाजारों, स्मारकों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए लू का रेड अलर्ट जारी किया है।

बुधवार को सुबह 8.30 बजे के बाद ही तापमान 40 डिग्री के पार चला गया और दोपहर 1.30 से शाम 4 बजे तक तापमान 45 डिग्री के आसपास रहा। शाम को सूर्यास्त के बाद भी गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान किए रखा। दोपहर में शहर के पुराने और व्यस्त बाजारों रावतपाड़ा, दरेसी, लुहार गली, किनारी बाजार, फव्वारा, जौहरी बाजार, मोतीगंज, ताजगंज और शाहगंज की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। गर्मी के कारण ग्राहक इन बाजारों में नहीं पहुंचे। बुधवार को अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री दर्ज किया

गया। रात में पारा सामान्य से तीन डिग्री ऊपर चल रहा है, जिससे लोगों को दिन में चैन मिला, न रात में। गर्मी का आलम यह है कि पंखे, एसी, कूलर सब फेल होकर गर्म हवा दे रहे हैं।

आगरा नगर निगम ने ताजमहल और आगरा किला के पास पर्यटकों को तेज गर्मी और लू के थपेड़ों से बचाने के लिए पानी के टैंकर के जरिए स्प्रिंकलर से फुहारें डलवाई। आगरा किला के अमर सिंह गेट के सामने और ताजमहल के पूर्वी तथा पश्चिमी गेट के सामने ताजगंज में गर्मी से बेहाल पर्यटकों ने पानी की फुहारों से राहत लेने का प्रयास किया।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र के मुताबिक अगले तीन दिनों तक लू का रेड अलर्ट रहेगा। बेहद गर्म हवाओं के कारण दोपहर में 12 बजे से शाम 5 बजे तक भीषण गर्मी रहेगी, वहीं रात में भी तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच पहुंच सकता है। 26 मई तक गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। तब तक तापमान 45 से 46 डिग्री के बीच ही बना रह सकता है।

ताजनगरी में पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप पर्यटकों पर भारी पड़ने लगी है। बुधवार को ताजमहल का दीदार करने आए करीब एक दर्जन पर्यटकों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उमस और लू की वजह से कई पर्यटकों को उल्टी, दस्त और तेज बुखार से तबीयत बिगड़ने पर सभी पर्यटकों को ताजमहल परिसर स्थित डिस्पेंसरी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के तौर पर उन्हें जरूरी दवाएं और ओआरएस का घोल दिया गया।

राहत न मिलने पर गंभीर रूप से अस्वस्थ पर्यटकों को एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भिजवाया। इनमें छत्तीसगढ़ की खनक निर्मलकर को पेट दर्द, महाराष्ट्र की सेजल पटेल को उल्टी, मेरठ की दीक्षा को तेज बुखार, कर्नाटक के जैदी खान, जाकिर खान, अब्दुल करीम खान को उल्टी और हीना को उल्टी-दस्त, तमिलनाडु के आंडाल एम. को उल्टी-दस्त, कुबेरन, सुंदरमूर्ति और नारायणन पेरियारामन को उल्टी, आगरा के अभय को बुखार आने पर इलाज किया गया।

सबसे गर्म दिन रहा बुधवार; लू से वेस्ट यूपी बेहाल, 25 मई से नौतपा शुरू

मेरठ, एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। बुधवार को मौसम ने इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया, जब तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सुबह से ही तेज धूप और झुलसाने वाली गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर तक हालात इतने खराब हो गए कि सड़कें और बाजार लगभग सुनसान नजर आए। गुरवार को भी सुबह से ही गर्म हवाएं चलने लगीं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है, जिसके बाद गर्मी का असर और अधिक बढ़ सकता है।

सुबह से बरस रही आग, दोपहर में लू का कहर : सुबह सूरज निकलते ही ऐसा महसूस होने लगा मानो आसमान से आग बरस रही हो। दिन चढ़ने के साथ तापमान लगातार बढ़ता गया और दोपहर तक लू के थपेड़ों ने लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया। जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोग सिर और चेहरे को कपड़े से ढककर निकलते दिखाई दिए। वहीं बाजारों और मुख्य मार्गों पर दोपहर के समय लोगों की आवाजाही बेहद कम रही।

25 मई से शुरू होगा नौतपा : कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही ने बताया कि पश्चिमी हवाओं और साफ आसमान के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि 25 मई से नौतपा शुरू होगा, जिसके चलते गर्मी और अधिक प्रचंड हो सकती है। हालांकि 29 मई

के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिससे लोगों को कुछ राहत मिल सकती है।

हीट स्ट्रोक का बढ़ा खतरा : विशेषज्ञों के अनुसार दोपहर के समय चल रही लू के कारण हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों को दोपहर में घर से बाहर निकलने से बचने, अधिक पानी पीने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है।

वायु गुणवत्ता भी खराब : चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की मौसम वेधशाला के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वायु गुणवत्ता सूचकांक 263 दर्ज हुआ। गंगानगर में 190, जयभीम नगर में 256, एमआईईटी क्षेत्र में 354 और पल्लवपुरम में 251 वायु गुणवत्ता सूचकांक दर्ज किया गया।

गर्मी ने तोड़ी आढ़तियों की कमर

2.5 करोड़ से गिरकर एक करोड़ पहुंचा कारोबार

लखनऊ, एजेंसी। भीषण गर्मी का असर अब दुबग्गा सब्जी एवं फल मंडी के कारोबार पर भी दिखने लगा है। मंडी में बाहरी जनपदों से व्यापारियों की आमद कम होने से कारोबार प्रभावित हुआ है। रोजाना ढाई करोड़ रुपये तक का कारोबार करने वाली मंडी अब 80 लाख से एक करोड़ रुपये तक सिमट गई है। इससे आढ़ती, मजदूर और मुंशी सभी परेशान हैं।

मंडी आढ़ती व अध्यक्ष मयंक लाल यादव ने बताया पहले मंडी के 672 लाइसेंस धारकों की बिक्री प्रतिदिन करीब ढाई करोड़ रुपये तक पहुंचती थी, लेकिन अब गर्मी के कारण उन्नाव, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, बाराबंकी, सुल्तानपुर और लखीमपुर खीरी समेत आसपास के जिलों से व्यापारी मंडी नहीं आ रहे हैं। कई व्यापारियों के लिए मजदूरों और मुंशियों की तनख्वाह निकालना भी मुश्किल हो गया है।उधर, परिवहन भाड़ा बढ़ने के बाद बुधवार को मंडी में शिमला मिर्च 18 रुपये किलो, अदरक 42 रुपये किलो, धनिया 25 रुपये किलो, बैंगन 12 रुपये किलो, प्याज 16 रुपये किलो, कटहल 12 रुपये किलो, नींबू 90 रुपये किलो, पालक 13 रुपये किलो, करेला 20 रुपये किलो और कोल्ड स्टोरेज वाला आलू 10 रुपये किलो बिका। टमाटर की 25 किलो की कैरेट 250 रुपये में बिकी।

ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान निकालें अफसर: हाईकोर्ट

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट ने शहर में ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण की समस्या पर पुलिस और नगर निगम के अफसरों को आदेश दिया है कि वे इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान निकालें। अदालत 22 मई को इस मामले में फिर सुनवाई करेगी।

मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश शहर में यातायात जाम, अतिक्रमण आदि की समस्याओं को लेकर दायर जनहित याचिका समेत 11 अन्य याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। शहर में विशेष रूप से पॉलीटेक्निक से किसान पथ तक यातायात जाम की समस्या पर सुनवाई हुई।

पूर्व आदेश के तहत बीते मंगलवार को डीसीपी ट्रैफिक रवीना त्यागी, डीसीपी पूर्व डॉ. दीक्षा शर्मा और नगर निगम की जोनल अधिकारी शिल्पा, संजय यादव खंडपीठ के समक्ष पेश हुए। खंडपीठ ने बताया कि एक मई के आदेश में न्यायमूर्ति आलोक माथुर और

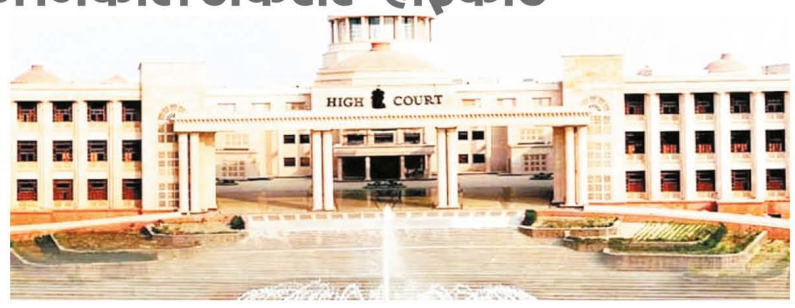

न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने इन अफसरों को तलब किया था। ऐसे में यह उचित होगा कि मामला उसी खंडपीठ में सुनी जाए। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने मामले को 22 मई को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया।

अदालत ने कहा कि पिछले कई वर्षों से लखनऊ में यातायात जाम बड़ी परेशानी का कारण है। कई जनहित याचिकाओं के बावजूद कोई उपयुक्त समाधान नहीं निकाला गया है। कोर्ट ने अफसरों को उपस्थित होने से पहले पूरे मार्ग का निरीक्षण करने का निर्देश दिया था।

एक मई को अफसरों ने ट्रैफिक जाम दूर करने के उपाय बताए थे। हालांकि, कोर्ट उन उपायों से संतुष्ट नहीं हुआ था और अधिक प्रभावी और स्थायी उपाय करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने बताया कि अदालत ने दो सप्ताह में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी थी। अब 22 मई को होने वाली सुनवाई में अधिकारियों से ठोस जानकारी की अपेक्षा है।

मोबाइल टावर पर चढ़ी युवती, बोली- ठाकुरों ने जमीन कब्जाई, वीडियो योगी बाबा तक पहुंचाओ, पुलिस ने उतारा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के पुरवामीर में एक 23 वर्षीय युवती जमीन विवाद के मामले में गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे एक टावर पर चढ़ गई। युवती का आरोप है कि उसकी जमीन पर गांव के ठाकुरों ने कब्जा कर लिया है और फर्जी मुकदमे लगा दिए हैं।इसकी वह आर्थिक तंगी की वजह से पैरवी नहीं कर पा रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंच गए और युवती को टॉवर से उतरने के लिए कहा गया, लेकिन युवती टॉवर से उतरने के लिए तैयार नही हुई।

तीन घंटे तक टावर में चढ़ी रही युवती

करीब तीन घंटे बाद युवती टावर से नीचे उतरी। फतेहपुर जनपद के मिराई गांव की रहने वाली रानी का आरोप है कि गांव के ही ठाकुरों ने जमीन कब्जा ली है। मौके पर एसीपी चकेरी अभिषेक कुमार पांडेय, फायर ब्रिगेड सहित अन्य पुलिस बल मौजूद है। रेस्क्यू जारी है।

रील की शौकीन है युवती, लाखों में है फॉलोवर

सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स रखने वाली युवती ने टावर की ऊंचाई पर खड़े होकर बकायदा एक वीडियो शूट किया और उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव शेयर कर दिया। वीडियो में युवती ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधे न्याय की गुहार लगाई है।

हमारा वीडियो योगी बाबा तक पहुंचाओ

वीडियो में युवती बेहद भावुक और रोते हुए कह रही है कि आप लोग शायद मेरा चेहरा आज आखिरी बार देख रहे हैं। मेरी पुश्तैनी जमीन पर गांव के दबंगों ने कब्जा कर लिया है और हम पर फर्जी मुकदमे लाद दिए हैं। हमारा वीडियो योगी बाबा तक पहुंचाओ। मेरी मदद कीजिए।

वाराणसी में 110 करोड़ का कारोबार प्रभावित, अस्पतालों के अंदर खुली रहीं दुकानें

वाराणसी, एजेंसी। ऑनलाइन दवा कारोबार के विरोध में बुधवार को जिले में दवा की दुकानें बंद रहीं। सप्तसागर दवा मंडी के साथ ही लंका, लहुराबीर, कबीरचौरा, रामनगर, राजातालाब सहित शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक इसका असर दिखा। दवा विक्रेताओं ने सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक विरोध में दुकानों को बंद रखा और ऑनलाइन कारोबार पर रोक लगाने की मांग की। बंदी की वजह से जहां सप्तसागर दवा मंडी से वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों और बिहार तक दवाइयां नहीं जा सकीं, वहीं अस्पतालों के पास की दुकानों के बंद होने से मरीज और तीमारदार भी भटकते रहे। थोक कारोबारियों के अनुसार करीब 110 करोड़ रुपये का कारोबार प्रभावित रहा। जिले में सप्तसागर दवा मंडी में करीब 650 दुकानों के साथ ही शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक 6000 से अधिक दुकानें हैं। दवा विक्रेताओं की संस्था ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर स्थानीय स्तर पर दवा विक्रेता समिति के पदाधिकारियों ने पिछले पांच दिनों से जागरूकता अभियान चलाया। दवा कारोबारियों में पंपलेट

बांटकर लोगों से 20 मई को दुकानें बंद रखने की अपील की गई थी। बुधवार को दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोली ही नहीं। दवा विक्रेता समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार और महामंत्री संजय सिंह ने दिन में लंका, शिवपुर, सोनिया, लहुराबीर, कबीरचौरा और पांडेयपुर आदि क्षेत्रों का दौरा कर दवा कारोबारियों का उत्साह बढ़ाया। दवा मंडी को छोड़ जिले की अन्य दुकानों के ताले शाम 6 बजे के बाद खुल गए। बंदी के दौरान सरकारी और निजी अस्पतालों के अंदर चल रही दवा दुकानों को इमरजेंसी सेवा के तहत खुला रखा गया था। बीएचयू कैंपस के अंदर संचालित फार्मेसी पर मरीजों की भीड़ दिखी, जबकि जिला और मंडलीय अस्पताल में चल रहे दवा काउंटरों से अधिकांश मरीजों को दवाइयां मिल गईं। हालांकि जो दवाइयां अस्पताल में उपलब्ध नहीं थी।

छोले-चावल खाने से 60 बच्चे बीमार

उल्टी-पेट दर्द से तड़पने लगे मासूम, नालंदा के स्कूल में हड़कंप

नालंदा ,एजेंसी। बिहार के नालंदा से बड़ी खबर सामने आयी है। जहां नगरनौसा प्रखंड स्थित मध्य विद्यालय कैला में बुधवार को मिड-डे मील खाने के बाद करीब 50 से 60 बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई। जिसमें एक शिक्षक भी शामिल हैं। इस भोजन को खाने के तुरंत बाद बच्चों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द और चक्कर आने की शिकायत होने लगी। कई बच्चे बेहोश होकर गिर पड़े। घटना के बाद विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

मिड-डे मील खाने से बच्चे पड़े बीमार : आनन-फानन में सभी बच्चों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) नगरनौसा और चंडी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से बीमार एक छात्रा को बेहतर इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही दोनों अस्पतालों में

अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जैसे ही परिजनों को बच्चों के बीमार होने की जानकारी मिली, वे घबराए हुए अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े।

'खाने में दवा जैसी गोली दिखाई दी' : अस्पताल परिसर में बच्चों के परिजनों की भारी भीड़ जुट गई। चिकित्सकों की टीम लगातार बच्चों के इलाज में जुटी रही। पांचवीं कक्षा की छात्रा अमृता कुमारी ने बताया कि मिड-डे मील में बच्चों को चावल और चने (छोला) की सब्जी परोसी गई थी। उसका आरोप है कि भोजन में किसी दवा जैसी गोली दिखाई दी थी। भोजन करने के बाद कई बच्चों की तबीयत अचानक खराब होने लगी।

निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग : अस्पताल में भर्ती बच्चों में अमृता कुमारी, अंकुश कुमार, अनुराधा कुमारी, तमन्ना, निशु, मुस्कान, कृति, ऋषि, आरती, सिमरन, खुशी, आदित्य, प्रियांशु, प्रिय, दीपक, प्रीति, डोली, सौरभ, किरण और राधा कुमारी समेत तीन दर्जन से अधिक अन्य बच्चे शामिल हैं।

ग्रामीणों और अभिभावकों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि भोजन की गुणवत्ता की समुचित जांच किए बिना बच्चों को खाना परोस दिया गया, जिसके कारण इतनी बड़ी संख्या में बच्चे बीमार पड़ गए। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

विभाग भी कारण ढूंढने में लगा : वहीं स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। भोजन के नमूने सुरक्षित रखे गए हैं और बच्चों के बीमार होने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। फिलहाल अधिकांश बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है, जबकि चिकित्सक सभी बच्चों की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

वहीं, प्रखंड प्रमुख रंजू कुमारी की मानें तो बच्चों के मिड डे मील के खाने से बीमार पड़ने की सूचना पर जांच के लिए पहुंच चुके हैं। जो लोग इस लापरवाही में शामिल हैं। दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर कड़ी सजा दी जाएगी। फिलहाल 6 बच्चे सदर अस्पताल बिहार शरीफ में भर्ती हैं।

आरा में पुलिस को मिली सफलता: वाहन जांच के दौरान गांजा तस्करी का खुलासा ,पिता-पुत्र गिरफ्तार

आरा,एजेंसी। भोजपुर जिले के सिकरहटा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 28 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने स्कॉर्पियो सवार पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक स्कॉर्पियो वाहन के माध्यम से भारी मात्रा में गांजा की खेप ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही फतेहपुर बाजार के समीप सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया गया।

वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में रखे दो काले बैग से कुल 28 किलो गांजा बरामद किया गया। गांजा बरामद होते ही पुलिस ने मौके पर ही वाहन सवार दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त कर लिया गया।

भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार दोनों ही पेपर लीक की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते : डोटासरा

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा नेताओं की मिलीभगत तथा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की अकर्मण्यता से नीट-2026 का पेपर लीक होने से 22 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ हुये खिलवाड़ के विरोध में तथा केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मॉग एवं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को भंग करने की मॉग करते हुये राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज जयपुर में जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस विधायक, सांसद, विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशी प्रदर्शन में हजारों कार्यकर्ताओं के साथ शामिल रहे। कांग्रेस कार्यकर्ता सवेरे 10 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर एकत्रित हुये, जहॉ सभा को प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सम्बोधित किया। सभा के पश्चात प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा की अगुवाई में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता जुलूस के रूप में भाजपा प्रदेश मुख्यालय का घेराव करने के लिये रवाना हुये, पुलिस द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को रोकने हेतु शहीद स्मारक, कमीशनरेट जयपुर पर बैरीकेट लगाकर रोका, उन पर पानी की बौछार की तथा बल प्रयोग किया गया, जिसमें कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ताओं को चोंटे आई। प्रदर्शन के पश्चात प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा चोटिल कार्यकर्ताओं से मिलने सवाईमानसिंह अस्पताल गये और वहॉ उनके समुचित ईलाज की व्यवस्था करवाई गई।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित विशाल जनसमूह को सम्बोधित करते हुये कहा कि नीट-2026 का पेपर लीक होने में भाजपा नेताओं की मिलीभगत पूर्ण रूप से सामने आई है तथा वर्ष 2024-2025 में भी नीट का पेपर लीक हुआ था, यह तथ्य सामने आ चुके हैं, किन्तु भाजपा की केन्द्र सरकार ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जो यह पेपर करवाती है, के खिलाफ ना तो कोई ठोस कार्यवाही की, ना ही दोषी अधिकारियों को हटाया गया है, जबकि परीक्षा का पेपर हुबहू लीक होने के साथ बेचा गया। इस पूरे प्रकरण के लिये मोदी सरकार को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुये शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा अविलम्ब लेना चाहिये। भाजपा की केन्द्र और प्रदेश सरकार दोनों ही पेपर लीक की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, क्योंकि पेपर लीक का खुलासा सर्वप्रथम राजस्थान में हुआ है।

डोटासरा ने नारा दिया है कि नीट पेपर का कहॉ मिलेगा, बीजेपी के बाड़े में, इसी नारे को लगाते हुये और धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मॉग करते हुये कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जुलूस आगे चला।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि नीट के पेपर लगातार तीन वर्ष से लीक हो रहे हैं जो देश के लाखों छात्रों के हितों पर कुठाराघात है। भाजपा के नेता केवल दोषियों को बचाने में लगे हुये हैं, जबकि वास्तविकता में सबसे पहले कार्यवाही राजस्थान में होनी चाहिये थी, क्योंकि पेपर लीक होने की सर्वप्रथम जानकारी राजस्थान में हुई, किन्तु आश्चर्य का विषय है कि भाजपा की प्रदेश सरकार ने राजस्थान में एक भी एफआईआर दर्ज नहीं की, जो दर्शाता है कि भाजपा की सरकार किसी दोषी को बचाने के लिये ही कार्य कर रही थी।

संक्षिप्त समाचार

पहाड़ी चिकित्सालय की बदहाल सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

- **मरीजों और परिजनों ने जताई नाराजगी, अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और बदबू से बढ़ी परेशानी**

चमकता राजस्थान/ मनोज खत्री जिला ब्यूरो चीफ डीग। पहाड़ी क्षेत्र के चिकित्सालय में मरीज इलाज की उम्मीद लेकर पहुंच रहे हैं, लेकिन अस्पताल की बदहाल सफाई व्यवस्था उनकी परेशानियों को और बढ़ा रही है। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी, बदबू और अव्यवस्था को देखकर मरीजों व उनके परिजनों में भारी नाराजगी है।मरीजों का कहना है कि जहां अस्पतालों में स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए, वहीं यहां गंदगी का आलम बना हुआ है। वार्डों और परिसर में सफाई के अभाव के कारण बदबू फैल रही है, जिससे मरीजों को संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है।परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन सफाई व्यवस्था को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा। बीमार लोग इलाज और राहत की उम्मीद मे अस्पताल आते हैं, लेकिन यहां की स्थिति देखकर उन्हें मजबूरी और लाचारी का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द सफाई व्यवस्था सुधारने, नियमित सफाई कराने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसी महत्वपूर्ण जगह पर इस तरह की लापरवाही बेहद चिंताजनक है।

जिला जन अभाव-अभियोग एवं सतर्कता समिति की मासिक बैठक व जनसुनवाई आयोजित

चमकता राजस्थान/कमल साहू/ब्यावर। जिला जन अभाव-अभियोग एवं सतर्कता समिति, ब्यावर की नियमित मासिक बैठक एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान सभी ब्लॉक एवं उपखण्ड कार्यालयों से अधिकारी वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के माध्यम से बैठक से जुड़े। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ब्रह्म लाल जाट ने जानकारी देते हुए बताया कि सतर्कता समिति की बैठक में कुल 17 परिवादों पर चर्चा की गई, जिनमें से 4 परिवादों का निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों के संबंध में संबंधित अधिकारियों को वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

जिला स्तरीय जनसुनवाई में कुल 27 परिवाद प्राप्त हुए, जिनकी सुनवाई कर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को उन्हें शीघ्र एवं प्रभावी रूप से निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। जिसमे पाइपलाइन , बिजली पानी व राजस्व से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई हुई।

बैठक में एसीईओ गोपाल लाल मीणा, तहसीलदार हनुत सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे, जबकि ब्लॉक एवं उपखण्ड स्तर के अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

घुमंतु-विमुक्त समुदाय नेतृत्व प्रशिक्षण में अधिकार, योजनाओं और सामाजिक जागरूकता पर हुआ मंथन

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर, बाड़ी स्थित अंबेडकर भवन में मंगलवार को प्रभात संस्थान द्वारा घुमंतु, अर्ध घुमंतु एवं विमुक्त समुदाय के नेतृत्वकर्ताओं के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय स्तर पर नेतृत्व क्षमता विकसित कर लोगों को अपने अधिकारों, सरकारी योजनाओं एवं विकास संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूक बनाना रहा। प्रशिक्षण में विभिन्न गांवों से आए समुदाय प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सामाजिक एवं कानूनी विषयों की जानकारी प्राप्त की। संस्थान निदेशक राकेश कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य समुदाय के लोगों को संगठित कर आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें अपनी बस्ती एवं गांव के विकास के लिए नेतृत्व हेतु तैयार करना है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और संगठन के माध्यम से ही समुदाय अपने अधिकारों को प्रभावी ढंग से प्राप्त कर सकता है। प्रशिक्षण में पहचान दस्तावेज, सरकारी योजनाएं, स्वास्थ्य, पोषण, जेंडर समानता एवं कानूनी अधिकारों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

संदर्भ व्यक्ति सरिता ने जेंडर समानता विषय पर समूह गतिविधियों के माध्यम से महिला एवं पुरुषों की भूमिकाओं पर चर्चा करवाई। उन्होंने लिंग आधारित भेदभाव, पितृसत्तात्मक सोच तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े मुद्दों पर जानकारी दी। साथ ही लाडो प्रोत्साहन योजना एवं मां वाउचर योजना के लाभों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया। वहीं संदर्भ व्यक्ति सुरेश चंद एडवोकेट ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा-3 सहित विभिन्न कानूनी प्रावधानों एवं पीड़ितों को मिलने वाली सहायता राशि की जानकारी दी। संदर्भ व्यक्ति रामदास तरुण ने पारिवारिक दस्तावेज तैयार करवाने तथा अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के अंत में ''जन अधिकार मंच'' की जानकारी दी गई। इस अवसर पर कल्पना सोलंकी, सुनील कुमार, ज्ञान देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

घाटा नैनवाड़ी में 151 कुंडीय देवनारायण महायज्ञ का भव्य शुभारंभ, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की शिरकत

चमकता राजस्थान

सूरज मल वैष्णव/बौली। मित्रपुरा तहसील के घाटा नैनवाड़ी स्थित श्री देवधाम देवनारायण मंदिर पर सप्त दिवसीय 151 कुंडीय देवनारायण महायज्ञ का शुभारंभ बुधवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। महामंडलेश्वर श्री बालकानंद गिरी जी महाराज (आश्रम हरभावता) के पावन सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

प्रथम दिवस करीब 11 हजार महिलाओं ने सिर पर कलश, फूल माला व नारियल रखकर मधुर भजनों के साथ लगभग 3 किलोमीटर लंबी कलश यात्रा निकाली। यात्रा यज्ञ परिसर में संपन्न हुई। कार्यक्रम में यज्ञ कमेटी द्वारा उपमुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

यज्ञाचार्य संजय महाराज के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन किया जाएगा। यज्ञ स्थल पर प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक कुंजबिहारी शास्त्री द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन होगा।

यज्ञ समिति के अनुसार महायज्ञ के दौरान सातों दिन भंडारा चलेगा। भोजन व्यवस्था के लिए अलग-अलग गांवों को दिवसवार जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम में रोजाना लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

हिंदी पत्रकारिता क्षेत्र में अविनाश शर्मा एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित होंगे

चमकता राजस्थान/मुंबई। द नेशनल एक्सीलेंस अकादमी फॉर आर्ट एजुकेशन पुणे की ओर से 23 मई को प्रातः 11:00 बजे रिसोर्ट ईगल रिजॉर्ट गोवा की एमेरल्ड हाल में नेशनल सेमिनार एवं नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा

इस भव्य में समारोह में हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के कुलसचिव अविनाश शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे.

इस समारोह में प्रथम सत्र में विभिन्न क्षेत्रों के बारे में देश की अनुभवी वक्ताओं के लेक्चर होंगे। द्वितीय सत्र में देश के विभिन्न क्षेत्र शिक्षा जगत, फिल्म जगत, पत्रकारिता जगत, उद्योग जगत, मॉडलिंग एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चयनित महानुभावों का सम्मान किया जाएगा.

हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में विगत 33 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राजस्थान के अविनाश शर्मा को भी सम्मानित किया जाएगा। 24 मई को प्रातः 10:00 बजे मिरेकल एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी के बैनर तले दादर के शिवराज पाटिल सभागार में आयोजित होने वाली हारमोनी एंड पीस के माध्यम से सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे । शाम 7:00 बजेको खंडाला में आयोजित आर्यन म्यूजिकल नाइट की ओर से आयोजित संगीत संध्या में अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे

वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अनिरुद्ध भार्गव द्वारा आश्रमवासी 33 प्रभुजनों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया

चमकता राजस्थान्/ब्यावर। मानव सेवा अपना घर आश्रम, बिजयनगर में वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अनिरुद्ध भार्गव (मनोचिकित्सक, अमृतकौर हॉस्पिटल) द्वारा आश्रमवासी 33 प्रभुजनों का विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन प्रभुजनों में मंदबुद्धि, अस्वस्थ, निराश्रित एवं सड़क आदि स्थानों से रेस्क्यू किए गए व्यक्ति शामिल हैं। सभी को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

इस स्वास्थ्य शिविर में राजकीय चिकित्सालय, बिजयनगर के नर्सिंग स्टाफ मंजूर अली जी एवं सलमा बानो जी ने ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन एवं शरीर के तापमान की जांच में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सेवा कार्य में सेवासाथी पवन, चिराग एवं विजय ने भी सक्रिय योगदान दिया।

डॉ. भार्गव ने आश्रम की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं एवं प्रभुजनों की समर्पित देखभाल की सराहना करते हुए कहा कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं निरंतर निगरानी से उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सकता है।

आश्रम अध्यक्ष श्री मधुसुधन कानोड़िया, आजीवन सदस्य श्री कार्तिकेया शर्मा , श्री अभय जी सांखला एवं केयरटेकर श्री विजय गुप्ता ने जिला प्रशासन, चिकित्सक दल एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

संस्था ने बताया कि उटल्ड, ब्यावर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत भार्गव प्रत्येक माह नियमित रूप से आश्रम में अपनी सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिससे प्रभुजनों को सतत चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो रही है।

रायसिंहनगर में खुलेआम पर्ची सट्टा, आखिर पुलिस कब करेगी बड़ी कार्रवाई?

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर (संजय बिश्नोई)। शहर के वार्ड नंबर 5, 100 रोड और बस स्टैंड क्षेत्र में लंबे समय से खुलेआम पर्ची सट्टे का कारोबार चलने की चर्चाएं जोरों पर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दिनभर कई स्थानों पर बेखौफ तरीके से सट्टे की पर्चियां काटी जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक कोई ठोस कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस अवैध कारोबार से युवाओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है। मेहनत की कमाई कुछ ही मिनटों में सट्टे में हारने के कारण कई परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्रों में यह गतिविधियां लंबे समय से संचालित हो रही हैं, फिर भी पुलिस की कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित दिखाई देती है। स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि आखिर रायसिंहनगर पुलिस किसका इंतजार कर रही है? जब प्रदेशभर में अवैध सट्टे और जुए के खिलाफ अभियान चलाए जा रहे हैं, तब रायसिंहनगर में सख्ती क्यों नहीं दिखाई दे रही। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह अवैध कारोबार और ज्यादा फैल सकता है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वार्ड नंबर 5, 100 रोड और बस स्टैंड क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर पर्ची सट्टा संचालित करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि शहर का माहौल खराब होने से बचाया जा सके।

आवेश खान बने जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिला सचिव

चमकता राजस्थान/जालौर /सांचोर /सांवलाराम चौधरी। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग जालौर ने संगठन की मजबूती के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, जालौर जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल के निर्देशानुसार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम डी चोपदार ने जिला अध्यक्ष जाकिर खान की अनुशंसा पर जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया गया।

जिसमें अयूब खान लुहार को संगठन महासचिव, एडवोकेट हनीफ खान को जिला प्रवक्ता एवं आवेश खान को जिला सचिव नियुक्त किया। आवेश खान ने बताया कि यह विस्तार अल्पसंख्यक समुदाय के हितों को बढ़ावा देने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया है। बागोड़ा उपखंड के खोखा निवासी आवेश खान को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पार्टी के प्रति उनकी सक्रियता, निष्ठा और लंबे समय से सामाजिक कार्यों में उनकी उत्कृष्ट भागीदारी को देखते हुए सौंपी गई है। अपनी नियुक्ति पर नव नियुक्त जिला सचिव आवेश खान खोखा ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। संगठन की विचारधारा को जन- जन तक पहुंचाना और अल्पसंख्यक समुदाय की समस्याओं का त्वरित समाधान करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने आगे कहा कि वे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर निरंतर संघर्ष करेंगे। आवेश खान की इस नियुक्ति से जालोर क्षेत्र में संगठन को एक नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए खुशी व्यक्त की है।

जिला कांग्रेस कमेटी दौसा द्वारा आज खानभांकरी रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजन किया गया।

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिला कांग्रेस कमेटी दौसा द्वारा आज खानभांकरी रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्व.राजीव गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्व. राजीव गांधी जी के देश के प्रति योगदान, उनके दूरदर्शी नेतृत्व और आधुनिक भारत के निर्माण (विशेषकर सूचना क्रांति) में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। सभी उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके विचारों एवं आदर्शों को सदैव स्मरण रखने और देश सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने का सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूदः

श्रद्धांजलि सभा में जिला कांग्रेस कमेटी रईस मौहम्मद, जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद बैरवा, मण्डल अध्यक्ष उप जिला प्रमुख मानदाता मीणा और प्रधान प्रहलाद नारायण मीणा उमाशंकर बनियाना, जनरल सेकेट्री मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसके साथ ही रुक्मणि देवी, महासचिव जलजीत मीणा, राजेश देवी जाटव, गोपराज महावर, हनुमान जागा, मानसिंह मीणा, पूर्व पार्षद जगदीश पोटर, नरेंद्र जैमन, सभापति प्रतिनिधि फूल सिंह मीना, विश्राम कालोता, सीताराम मीणा, मण्डल अध्यक्ष शरद नागर, मण्डल अध्यक्ष शिवराम मीणा लवाण, कल्याण सहाय मीणा, मिट्टन लाल मीणा, मण्डल अध्यक्ष ,सियाराम सत्तावन, रविंद्र मोरेड एवं चंद्र शेखर शर्मा कैलाश बैंसला जिला महासचिव लक्ष्मण गुर्जर सरपंच शाहरुख खान, सावल राम मीणा सरपंच रमन सत्तावन,जिलाध्यक्ष,रामहरि करोड़ी मण्डल अध्यक्ष सहित कई कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929